



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल फीफा रैंकिंग: स्पेन टॉप पर बरकरार...

@ विचार नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण...

@ व्यापार शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद...

स्वबर झरोखा

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दो टैंकर और 50 से ज्यादा झम खाक

भिलाई। हथखोज औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्याम केमिकल्स में गुरुवार को 11 से 12 बजे दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग देखते ही देखते तेज हो गई, जिसके बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। केमिकल से भरे 50 से ज्यादा झम और दो टैंकर आग की चपेट में आ गए, जिससे आग बुझाने में दिक्कत हो रही है। 3 घंटे से आग पर काबू करने की कोशिश जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आग की लपटें और आग से उठने वाला काला धुआं पूरे आसमान में फैल गया है, जिससे आसपास का आसमान काला नजर आ रहा है। धुआं दूर से ही दिखाई देने के कारण आसपास के लोगों में भी चिंता बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए दमकल से 5 से 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी की बौछार की जा रही है।

मां-बेटी मर्डर-रेप केस, 3 को फांसी: चौथे को उम्रकैद

सूरजपुर ■ रविशंकर गुप्ता

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में मां-बेटी हत्याकांड मामले में स्पेशल कोर्ट ने मुख्य आरोपी कुलदीप समेत 3 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। वहीं, चौथे आरोपी आर्यन विश्वकर्मा को उम्रकैद की सजा दी गई है।

कोर्ट ने 29 सितंबर को चारों आरोपियों को हत्या, रेप और पब्सो एक्ट के तहत दोषी माना था। मामले 14 अक्टूबर 2024 का है। आरोपियों ने हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी की हत्या कर दी थी।

वारदात से पहले हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी से रेप किया गया। इसके बाद चाकू से उसकी हत्या कर दी गई। आरोपियों ने बेटी की भी धारदार हथियार से हत्या कर दी। दोनों के शव घर से करीब 5 किलोमीटर दूर फेंक दिए गए थे।

आरोपियों ने बच्ची पर चाकू से 28 बार और उसकी मां पर 33 बार वार किया था। आरोपियों के फिंगर प्रिंट, कपड़ों पर लगे ब्लड सैंपल से हत्या करने की पुष्टि हुई। डीएनए टेस्ट से रेप करने की पुष्टि हुई।

मामले की सुनवाई न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियल की फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई। 29 सितंबर को



दोषी करार दिए जाने के बाद कोर्ट से बाहर निकलते समय मुख्य आरोपी कुलदीप साहू हंस्ता हुआ नजर आया था। उसने पत्रकारों की ओर स्माइली साइन भी बनाया था।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनाई सजा, मायूस दिखे आरोपी

सूरजपुर फास्ट ट्रैक कोर्ट में आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। सभी आरोपी अंबिकापुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश हुए आरोपियों को सजा सुनाई। जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सजा सुनते ही आरोपी मायूस हो गए। सभी की निगरानी बढ़ा दी गई है।

दरअसल, 9 अक्टूबर 2024 की रात शहनाज अख्तर का जगराता कार्यक्रम था। इस दौरान हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप साहू के भाई संदीप साहू का नवापारा के कुछ युवकों से विवाद हो गया था। 2 दिन बाद पुलिस संदीप साहू को

लवार से काट देने की धमकी देते हुए भाग निकला

13 अक्टूबर 2024 की शाम आरोपी कुलदीप साहू अपने साथियों आर्यन विश्वकर्मा, चंद्रकांत चौधरी और रिकू सिंह के साथ पुराना बस स्टैंड में बैठा था। रात करीब 9 बजे आरक्षक घनश्याम सोनवानी की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने जिला बदर किए गए कुलदीप साहू को पकड़ने की कोशिश की।

इस दौरान कुलदीप साहू ने आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर खोलता तेल डाल दिया। इसके बाद वह तलवार से काट देने की धमकी देते हुए भाग निकला। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर 13 अक्टूबर को कुलदीप को पकड़ने के लिए हेड कॉन्स्टेबल भी निकले थे। इस दौरान कुलदीप ने हेड कॉन्स्टेबल पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की

शाम को धमकी दी, रात में पत्नी-बेटी की हत्या

13 अक्टूबर की शाम कुलदीप ने हेड कॉन्स्टेबल को तलवार से काटने की धमकी दी थी। कुलदीप ने उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे पुलिसकर्मियों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। इसके बाद वह हेड कॉन्स्टेबल के घर पहुंचा।

विपक्ष ने राजघाट तक निकाला मार्च, खड़गे ने किया नेतृत्व



एजेंसी ■ नई दिल्ली

तेज करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया।

विपक्षी दल सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का आरोप है कि मतदाता सूची के एसआईआर में अनियमितताएं हुई हैं और इससे मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

राजघाट पर मीडिया से बातचीत में कांग्रेस सांसद गौरव गोर्गोई ने एक बार फिर सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लोगों की आवाज सुनने की भी अपील की।

इससे पहले लंच बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से हासिल की गई आजादी को चुनाव आयोग द्वारा 'छीना' जा रहा है और लोगों के 'वोट देने के अधिकार' को खत्म किया जा रहा है।

एसआईआर मामले: 42 पूर्व जजों ने खुला पत्र लिखकर चुनाव आयोग को कमजोर करने की कोशिश पर जताई चिंता



एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के 42 पूर्व न्यायाधीशों ने गुरुवार को खुले पत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे कथित अभियान पर गंभीर चिंता जताई। पूर्व न्यायाधीशों ने बिना ठोस सबूत के 'वोट चोरी' के आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार 'चोर' और 'समझौता किया हुआ' बताने से लोकतंत्र में जनता का भरोसा कमजोर होने का खतरा है।

पत्र में कहा गया कि 'विश्वास लोकतंत्र की मुद्रा है।' साथ ही

चेतावनी दी गई कि चुनावों को अवैध या अविश्वसनीय साबित करने की कोशिशें अशांति को बढ़ावा दे सकती हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकती हैं।

खुले पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में तीन पूर्व हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर और दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी.सी. पटेल, कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुश्री कमल मुखर्जी और सिक्किम हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश परमोद कोहली शामिल हैं।

इसके अलावा कई हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों के साथ-साथ वैधानिक निकायों और नियामक संस्थाओं के पूर्व सदस्य भी पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल हैं।

यह पत्र ऐसे समय सामने आया है, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष में साहस है तो उसे उन सीटों से इस्तीफा दे देना चाहिए।

5 हजार से अधिक युवाओं का अंतिम वयन: मुख्यमंत्री साय

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर कौशल प्रशिक्षण और उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर अपने ही प्रदेश में मिलें, वे अपने कौशल और प्रतिभा के बल पर आत्मनिर्भर बनें तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला-2026 के समापन अवसर पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री के करकमलों से लगभग 1,100 चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

दिग्गज एक्टर नाना पाटेकर का निधन



एजेंसी ■ मुंबई

बॉलीवुड इंडस्ट्री के वेटेन एक्टर नाना पाटेकर का गुरुवार को निधन हो गया। उन्हें गोवा के डोना पाउला स्थित उनके निवास पर बेहोशी की अवस्था में पाया गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, नाना पाटेकर को सुबह 5:20 बजे मृत घोषित किया गया। शुरुआती जांच में बताया गया कि उन्हें गंभीर कार्डियक अरेस्ट हुआ था। डॉक्टरों ने अस्पताल लाए जाने के बाद लगभग 45 मिनट तक उन्हें रिवाइव

करने की कोशिश की, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला।

मणिपाल हॉस्पिटल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर ने बताया, 'लगभग 45 मिनट तक सीपीआर के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एक मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया है और पोस्टमार्टम किया जाएगा।' 'नाना पाटेकर का जन्म 1 जनवरी 1951 को हुआ था। उनका असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था और वे एक मराठी परिवार से आते थे। उनके पिता गजानन (दिनकर) पाटेकर एक टेक्सटाइल पेंटर और बिजनेसमैन थे, जिनका निधन तब हुआ था, जब नाना पाटेकर 28 साल के थे। उनकी मां निर्मला पाटेकर (संजनाबाई पाटेकर) एक गृहिणी थीं।

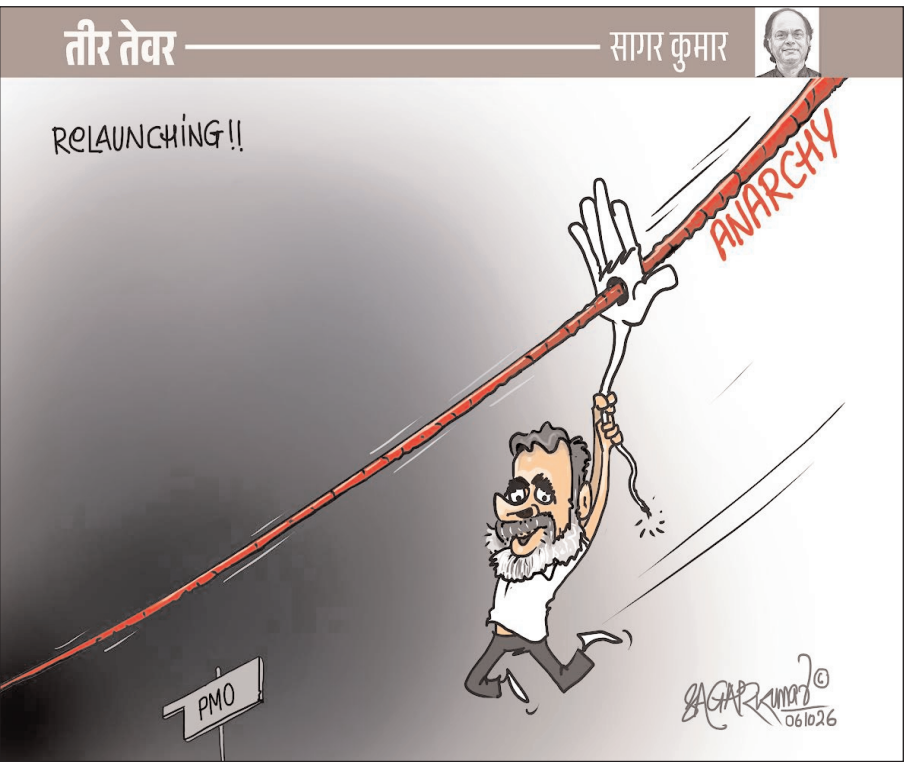
जो 29 जनवरी 2019 को 99 साल की उम्र में निधन तक दिग्गज एक्टर के साथ रहीं।

नाना पाटेकर के निधन पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने जताया दुःख

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दुःख जताया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने नाना पाटेकर के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति बताया। इसके साथ उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर ने फिल्मों में ऐसे कई किरदार निभाए, जिन्होंने लोगों के दिलों और दिमाग पर एक अलग छाप छोड़ी है।

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से गहरा दुःख हुआ है।

संबंधित रिपोर्ट पृष्ठ क्रमांक 4-7 में भी पढ़ें



बस्तर से भी गहरा नाता रहा है नाना पाटेकर का

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका निधन मुंबई फिल्म जगत ही नहीं बल्कि बस्तर के लिए भी बेहद दुःखद है। नाना का बस्तर से गहरा नाता और लगाव रहा है। उन्होंने बस्तर में लंबा समय गुजारा था और उनकी कुछ फिल्मों की शूटिंग भी बस्तर की खूबसूरत वादियों में हुई थी। नाना पाटेकर के निधन से बस्तर के उनके प्रशंसकों, कलाकारों और सिनेमा प्रेमियों में शोक की लहर है।

मशहूर फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर का आज 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार उन्हें गोवा के डोना पाउला स्थित अपने आवास पर गंभीर प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष में साहस है तो उसे उन सीटों से इस्तीफा दे देना चाहिए।



3:30 बजे डोना पाउला स्थित मणिपाल अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें होश में लाने के लिए लगभग 45 मिनट तक सीपीआर दिया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद सुबह करीब 5:20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल की ओर से मामले को मेडिको-लीगल केस के रूप में दर्ज किए जाने और मौत के सटीक कारण की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जानकारी सामने आई है।

नाना पाटेकर के अचानक निधन की खबर सामने आते ही उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। शुरुआती जानकारी में कार्डियक अरेस्ट को मौत की वजह बताया जा रहा है हालांकि अंतिम चिकित्सकीय निष्कर्ष और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी।

थम गया पांच दशक का सफर नाना पाटेकर हिंदी और मराठी

सिनेमा में करीब पांच दशक तक अपने अभिनय का लोहा मनवाते रहे। वर्ष 1978 की फिल्म 'गमन' से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्होंने 'परिदा', 'प्रहार', 'क्रांतिवीर', 'तिरंगा', 'अग्निसाक्षी', 'खामोशी: द म्यूजिकल', 'अब तक छप्पन' और 'वेलकम' सहित कई यादगार फिल्मों में दमदार भूमिकाएं निभाईं। उनका संवाद अदायगी, प्रभावशाली आवाज और किरदारों को जीवंत करने वाली अभिनय शैली ने उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे अलग और प्रभावशाली कलाकारों में स्थान दिलाया। अभिनय के साथ उन्होंने निर्देशन और लेखन में भी काम किया।

दो बार बस्तर आए थे नाना दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से बस्तर के कलाकार जगत में भी शोक की लहर है। नाना पाटेकर का बस्तर से पुराना और खास जुड़ाव रहा है। वे वर्ष 1987-88 के दौरान दो बार बस्तर आए थे। बताया जाता है कि नाना पाटेकर ने धरमपुरा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में समय बिताया था। इसके अलावा वे करीब एक महिने तक बस्तर में फिल्म शूटिंग के सिलसिले में रहे। इस दौरान फिल्म 'आज की महाभारत' की शूटिंग बस्तर की खूबसूरत वादियों में की गई थी। फिल्म में नाना पाटेकर के साथ सुरेश ओबेरॉय, दीप्ती नवल, भारत भूषण, नीता पुरी सहित कई अन्य कलाकार भी बस्तर पहुंचे थे। बस्तर से उनका लगाव था। नवसलवाद पर बनी फिल्म में काम करने के पहले वे बस्तर के धुर दिलाया। अभिनय के साथ उन्होंने स्थिति का पता करते थे। गंगा प्रोडक्शन की फिल्म 'आज की महाभारत' की शूटिंग बस्तर की खूबसूरत वादियों में की गई थी बस्तर के उड़ीसा बॉर्डर से लगे धनपूजी देवड़ा मंदिर चित्रकोट, तीरथागढ़, नया मुंडा एवं जगदलपुर शहर के कुछ स्थानों में शूटिंग की गई थी।

बस स्टैंड में खुलेआम हो रही शराब बिक्री, रात में खड़ी बसों से बैटरी-डीजल और तार की चोरी

विश्व केसरी■
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शहर के बीचोंबीच स्थित बस स्टैंड इन दिनों यात्रियों की सुविधा के बजाय अव्यवस्था, शराबखोरी और चोरी की घटनाओं के लिए चर्चा में है। बस स्टैंड परिसर में शराब कोचियों द्वारा खुलेआम शराब बेचने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं रात में हल्टिंग के लिए खड़ी यात्री बसों से बैटरी, डीजल और तार चोरी होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बस स्टैंड के पास उजाड़ हो चुके गार्डन के पावर पंप से भी केबल वायर चोरी होने की शिकायत है। इससे यात्रियों के साथ बस संचालकों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सबसे बड़ी समस्या बस स्टैंड का लगातार संकरा होता परिसर है। चारों तरफ व्यावसायिक परिसरों का निर्माण होने और अंदर हाथडैला वालों के अतिक्रमण के कारण यात्री बसों के खड़े होने और निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची है। स्थिति यह है कि एक बस को स्टैंड के भीतर खड़ा करने के बाद दूसरी बसों का आवागमन तक बाधित हो जाता है। इससे यात्रियों को बस



पकड़ने के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

पेड़ के नीचे बस का इंतजार कर रहे यात्री – बस स्टैंड में यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। न पर्याप्त यात्री प्रतीक्षालय है, न शौचालय और न ही पीने के पानी की समुचित व्यवस्था। ऐसे में यात्रियों को बस के इंतजार में पेड़ के नीचे बैठना पड़ता है या आसपास के होटलों के सामने खड़े होकर समय गुजारना पड़ता है। गर्मी, बारिश और रात के समय महिला, बुजुर्ग और बच्चों के लिए परेशानी और बढ़ जाती है।

बस स्टैंड परिसर में रात के समय असामाजिक तत्वों की गतिविधियां भी बढ़ने की शिकायत है। यहां शराब पीकर हुड़दंग, गाली-गलौज और आपसी विवाद की घटनाएं होने की बात सामने आ रही है। शराब की अवैध बिक्री के कारण देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इससे बसों में रात गुजारने वाले चालक-परिचालकों के साथ यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बसों से सामान चोरी, संचालकों में नाराजगी – बस यात्री बस एसोसिएशन के स्थानीय अध्यक्ष रामगोपाल साहू ने बताया कि बस स्टैंड परिसर में रात के समय खड़ी की जाने वाली यात्री बसों से आए दिन सामान चोरी हो रहा है। बसों से बैटरी, डीजल और तार चोरी होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड में लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौज और

परिसर बनने के बाद बसों के लिए उपलब्ध जगह कम हो गई है। इसके अलावा परिसर में हाथडैला और अन्य अस्थायी कब्जों के कारण आवाजाही और मुश्किल हो गई है। बसों को मोड़ने और यात्रियों को उतारने-चढ़ाने के दौरान अक्सर जाम जैसी स्थिति बन जाती है।

2 करोड़ से हाईटेक बस स्टैंड की योजना– नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया कि बस स्टैंड को नए सिरे से विकसित करने के लिए शासन को करीब 2 करोड़ रुपए का एस्टीमेट भेजा गया है। प्रस्तावित योजना में यात्री प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय और बसों के व्यवस्थित स्टॉपेज की सुविधा शामिल है। साथ ही नए व्यावसायिक परिसर का निर्माण भी प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड के बीचोंबीच स्थित पुराने दुकानों को हटाने की कार्रवाई जल्द की जाएगी, ताकि बसों के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह बनाई जा सके। बस स्टैंड परिसर में अवैध शराब बिक्री के मामले में उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग को कार्रवाई करनी चाहिए।

नगरी के श्रृंगी ऋषि विद्यालय परिसर में लगा सेवा संकल्प अभियान



प्रीएम मोदी के 25 साल के सेवा कार्यों को किया याद

विश्व केसरी■
नगरी (हिमांशु यादव)। श्रृंगी ऋषि हाई स्कूल प्रांगण, नगरी में सेवा संकल्प अभियान शिविर का भव्य आयोजन किया गया।

यह शिविर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे

क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस, जनपद के अध्यक्ष महेश गोटा, राष्ट्रीय मंत्री किसान मोर्चा पिकी शिवराज शाह पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, जनपद के उपाध्यक्ष हृदय साहू, धमतरी जिला के कलेक्टर अविनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ जैन, प्रेमलता नागवंशी, दिनेश्वरी नेताम, जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारी

एवं बड़ी संख्या विभागीय अधिकारी ग्राम सरपंचगण, क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। मंच पर अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले 25 वर्षों में जनसेवा, राष्ट्रसेवा और अंत्योदय के संकल्प के साथ कार्य किया है। उनके इसी सेवाभाव को जन-जन तक पहुंचाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

गिरौदपुरी में निकली कलश यात्रा



विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जल जन सेवा अंतर्गत जल संसाधन विभाग संभाग कसडोल के द्वारा गिरौदपुरी मे एक भव्य कलश यात्रा का गरिमामय आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों सहित

बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ शामिल हुए।

कलश यात्रा ग्राम के मुख्य व प्रमुख चौक-चौराहों से होकर निकाली गई, जहां स्थान-स्थान पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। सिर पर कलश रखी महिलाएं और मंगल गीत गाते श्रद्धालुओं के साथ

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान: न्यू लाइफ मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने रोपे कदम व करंज के पौधे

विश्व केसरी■
बसना (अशोक प्रधान)। पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता का संदेश देते हुए महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत ग्राम भंवरपुर स्थित 'न्यू लाइफ मॉडल स्कूल' के छात्र-छात्राओं ने 8 अक्टूबर को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया। विद्यार्थियों ने मुख्य रूप से कदम एवं करंज के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

विद्यालय द्वारा पिछले दो वर्षों से लगातार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल की जा रही है। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण के साथ 'प्याऊ घरों का संचालन' भी किया है। गर्मी के मौसम में इन प्याऊ घरों से राहगीरों को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। वहीं लगाए गए पौधे भविष्य में राहगीरों को तेज धूप से राहत देने के साथ पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विद्यालय के संचालक द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सामाजिक सरोकार एवं जनसहयोग के कार्यों में



भाग लेने के लिए लगातार प्रेरित किया जाता है। प्रबंधन ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना आज की आवश्यकता है। शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संस्कार विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिष्ठान आयोग, बेमेतरा का निर्णय

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। जिला उपभोक्ता आयोग, बेमेतरा द्वारा परिवाद प्रकरण क्रमांक-29 थ् 2026 कल्पना बाई शर्मा विरुद्ध भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, द्वारा-शाखा प्रबंधक, साजा, तहसील साजा व अन्य के विरुद्ध 8 जुलाई 2026 को परिवादिनी के पति अंकार प्रसाद शर्मा का एक बचत खाता .. विरोधी पक्ष क्र.1 बैंक में संचालित रहा है। उक्त बचत खाते से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 12/-रू. प्रीमियम की कटौती की गई थी। जिसके आधार पर विरोधी पक्ष क्र.2 बीमा कंपनी द्वारा बीमा पालिसी जारी कर अंकार प्रसाद शर्मा की 2 लाख रूपये की जोखिम स्वीकार की गई थी। 2 परिवादी के पति अंकार प्रसाद शर्मा घटना 4 जनवरी 2021 को बीमित मोटर सायकल क्र.सी.जी.07-5813 को चलाते हुए सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई थी।

पायलेट स्मिथ मच्छर के जल्द स्वस्थ के लिए हनुमान चालीसा का पाठ



विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। सेवा संकल्प के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु एवं पायलेट स्मिथ मच्छर के जल्द स्वस्थ होने की कामना के साथ विधायक इन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में सामुहिक रुप से हनुमान चालीसा का पाठ नगर के शीतला मन्दिर प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम में विधायक

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ‘जोश टीम’ का शुभारंभ

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से गुरुवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 'जोश टीम' का शुभारंभ किया।कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़कर जिले द्वारा राष्ट्रीय आयोजन में सहभागिता की गई।

इस अवसर पर विकासखंड बलौदाबाजार की वर्ष 2025 में पहली बार टीबी मुक्त पंचायत बनने वाली 48 ग्राम पंचायतों के



प्रतिनिधियों को कलेक्टर कुलदीप शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल सहित जनप्रतिनिधियों ने टीबी मुक्त पंचायत का प्रमाण पत्र तथा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने टीबी मुक्त हुए पंचायतों को बधाई देते हुए कहा कि यह जिले की उपलब्धि है कि लोग जागरूक हो रहे हैं और

अर्जुनलाल डडसेना ने कराया ललितपुर विद्यालय में नेवता भोज



विश्व केसरी■
बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकासखंड, संकुल जमदरहा के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में इस शिक्षा सत्र 2026-27 में शासन के निर्देशानुसार सतत 'नेवता भोज' का आयोजन कराते हुए आज 08 अक्टूबर 2026 को चौथी बार नेवता भोज का पूर्ण रूप से आयोजन हुआ । नेवता भोज के दानदाता व मुख्य अतिथि अर्जुनलाल डडसेना ग्राम डूमरपाली, ड्राइवर

मजदूर संघ के मीडिया प्रभारी, चंपी छुरा प्रदेश अध्यक्ष ड्राइवर मजदूर संघ छत्तीसगढ़, भोलाराम जगत कोषाध्यक्ष ड्राइवर मजदूर संघ छत्तीसगढ़, श्याम नायक, पूर्णचंद पांडे, डिजेंद्र कुर्रे संकुल समन्वयक जमदरहा, अध्यक्षता नोनीबाई चौहान सरपंच ग्राम पंचायत बी बनडबरी, गफफार खान प्रधान पाठक ललितपुर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रामवती बरिहा, और शाला प्रबंधन समिति सदस्यों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया।

क्वारं नवरात्रि पर काली मंदिर में जलेगी मनोकामना ज्योति, 11 से 19 अक्टूबर तक होंगे धार्मिक आयोजन

विश्व केसरी■
नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। जय माँ काली मंदिर समिति नवापारा (राजिम) द्वारा क्वारं नवरात्रि पर्व 2026 के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। नवरात्रि पर्व 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

नवरात्रि के प्रथम दिन 11 अक्टूबर रविवार को दोपहर 1रू30 से 3 बजे तक विधि-विधान से घट स्थापना एवं मनोकामना ज्योति प्रज्वलित की जाएगी। समिति ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर माँ काली का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

अष्टमी पर हवन-पूर्णाहुति, नवमी को



ज्योति विसर्जन – 15 अक्टूबर गुरुवार को पूजा, हवन एवं पूर्णाहुति संपन्न होगी। 19 पंचमी पूजा का आयोजन होगा। वहीं 18 अक्टूबर सोमवार को नवमी के अवसर पर अक्टूबर रविवार को शाम 5 बजे अष्टमी ज्योति विसर्जन किया जाएगा। इसी दिन

सुबह 9 बजे कुंवारी कन्या भोज का आयोजन भी होगा।

प्रतिदिन सुबह-शाम होगी आरती
मंदिर समिति के अनुसार नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम 7 बजे आरती होगी, जबकि प्रतिदिन सुबह 11 बजे भोग लगाया जाएगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि ज्योति कलश में केवल तेल का ही प्रज्वलन किया जाएगा। मनोकामना ज्योति का प्रसाद नवरात्रि विसर्जन के बाद 15 दिनों के भीतर प्राप्त किया जा सकेगा।

मंदिर समिति के अध्यक्ष मेघनाथ साहू, सचिव चतुर सिंग जगत एवं कोषाध्यक्ष छन्नूलाल साहू सहित समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने श्रद्धालुओं से नवरात्रि के सभी आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की है।

विश्व दृष्टि दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम



विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी के निर्देशन एवं बीएमओ डॉ. पंकज वर्मा के मार्गदर्शन में 8 अक्टूबर, द्वितीय गुरुवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर रोहासी तथा मिडिल एवं हाई स्कूल में विश्व दृष्टि दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया तथा आंखों की सुरक्षा, सावधानियों एवं नियमित देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं ग्रामीणों को नेत्र के प्रति जागरूक रखने तथा समय-समय पर आंखों की जांच कराने का संदेश दिया गया।

विद्यालय में बच्चों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया गया।

कार्यक्रम में साइटसेवर्स की ओर से मनीष झा, दीपेंद्र कन्नौज एवं विनोद माण्डले, क्राष्ट से डेविड साहू नेत्र सहायक अधिकारी एवं समस्त स्टाफ तथा चिरायु टीम से डॉ. अजय देवांगन एवं डॉ. मोनिका पांडे का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय के सभी शिक्षकगणों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संपादकीय

लोकतंत्र में लोकमत और राजमत का चिंतन



पार्थसारथि थपलियाल

शक्ति का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग करता है। हाला के वर्षों में भारतीय लोकतंत्र में कहीं न कहीं सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष की लोकतांत्रिक गतिविधियों में लोकमत की अवहेलना हो रही है। आज स्थिति यह है कि कोई संविधान की दुहाई देकर उसके मूल भाव की अवहेलना करता दिखाई देता है तो कोई संविधान की रक्षा का दावा करते हुए उसकी मर्यादाओं को अपने राजनीतिक हित के अनुरूप व्याख्याित करता है। संविधान केवल राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बहुता का सामाजिक अनुबंध है। उसकी प्रतिष्ठा तभी बनी रह सकती है जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों उसके अक्षर के साथ-साथ उसकी आत्मा का भी सम्मान करें। मतदाता सूची का अद्यतन हो अथवा निर्वाचन व्यवस्था से जुड़ी कोई शिकायत- ये लोकतांत्रिक अधिकार और सरोकार हैं। कमियों की सूचना लिखित रूप में दी जा सकती है, निर्वाचन अधिकारियों से संवाद आंदोलन नागरिक अधिकार है तो निर्वाच जीवन भी आम नागरिक का अधिकार है।

इसी तरह न्याय और नागरिक अधिकारों के प्रश्नों पर भी राजनीतिक संवेदनशीलता समान होनी चाहिए। किसी निर्दोष व्यक्ति को वर्षों तक कारावास में रहना पड़ा हो और बाद में न्यायालय से उसे सम्मान रिहा किया जाता हो, इस स्थिति का मूल्यांकन कौन करेगा? जिस व्यक्ति की सजा के दौरान पूरा घर चौपट हो गया हो, जिसने यौवन का सुख न भोगा हो, अपराध में उसकी संलिप्तता न रही हो, उसके 20 साल किस आधार पर बर्बाद हुए,? इस अपराध का दंड किसे मिलना चाहिए। इस पर संविधान की दुहाई देने वाले सभी में है। क्योंकि आम आदमी के न्याय को दलाल रौंद डालते हैं। यह केवल किसी व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि न्याय- व्यवस्था और प्रशासन के लिए आत्ममंथन का विषय है। ऐसे मामलों पर राजनीतिक चुप्पी यह प्रश्न अवश्य खड़ा करती है कि क्या न्याय का प्रश्न भी राजनीतिक सुविधा के अनुसार देखा जाने लगा है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा है। संस्कृति, समाज और परंपराओं पर प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है; किंतु अभिव्यक्ति के नाम पर किसी समुदाय, परंपरा अथवा भारतीय सांस्कृतिक चेतना को जानबूझकर अपमानित करना सामाजिक संवाद को मजबूत नहीं करता। इसी प्रकार निजी मीडिया और डिजिटल माध्यमों की स्वतंत्रता भी महत्वपूर्ण है, परंतु स्वतंत्रता के नाम पर अपसंस्कृति, सनसनी और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण नहीं कहा जा सकता।

समानता का अधिकार भी केवल संवैधानिक शब्द नही रहा। जब समाज में आर्थिक असमानता बढ़ती है, जब अवसरों का वितरण असंतुलित दिखाई देता है अथवा जब न्याय की प्रक्रिया सामान्य नागरिक को असमान अनुभव होने लगती है, तब लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं। संविधान की शपथ केवल औपचारिकता नहीं हो सकती। वह सत्ता और संवैधानिक संस्थाओं से निष्पक्षता, न्याय और उत्तरदायित्व की अपेक्षा करती है। सबसे बड़ा प्रश्न लोकमत और राजमत के संबंध का है। मतदाता मतदान के दिन केवल सरकार चुनता ही नहीं, वह अपनी आकांक्षाओं, असंतोष और अपेक्षाओं को भी व्यक्त करता है। गरीबी-अमीरी की बढ़ती खाई, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय और सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रश्न लोकमत के केंद्र में हैं। यदि राजनीतिक विमर्श इन वास्तविक प्रश्नों से हटकर केवल आरोप-प्रत्यारोप, धुवीकरण और राजनीतिक प्रदर्शन तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ता है। सत्ता पक्ष को यह नहीं भूलना चाहिए कि बहुमत शासन का अधिकार देता है, मनमानी का नहीं। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि विरोध लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता पैदा करना उसका अधिकार नहीं। दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे लोकमत को सुनें, समझें और उसका सम्मान करें। लोकमत को राजमत का शत्रु नहीं, उसका मार्गदर्शक बनाना होगा और राजमत को लोकमत का दमनकर्ता नहीं, उसका संवैधानिक प्रतिनिधि। तभी समानता, न्याय और स्वतंत्रता संविधान के पन्नों से निकलकर भारत के जनजीवन की वास्तविक अनुभूति बन सकेंगे।



ललित गर्ग

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं वरिल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीब थी थे।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवन्ता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूदा एवं

राकेश अचल

वीते 7 अक्टूबर 2001 की तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति इतिहास का एक पन्ना बनाने की नाकाम कोशिश की। नाकाम इसलिए की जब वे इस तारीख की तख्ती इतिहास बनार लटकाने का प्रयास कर रहे थे उसी समय दिल्ली उन्हे बधाई देने के बजाय लानत भेज रही थी.

नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी.कल 7 अक्टूबर 2026 को उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे हो गए.भाजपा देशभर में इसे सेवा और उपलब्धियों के उत्सव के रूप में मनाया लेकिन देश उनकी इस खुशी में खुलकर साथ खड़ा नहीं हुआ.प्रधानमंत्री ने भी इस मौके पर अपने 25 वर्षों की यात्रा को जनता के विश्वास और सेवा से जोड़ा लेकिन सवाल यह है कि मोदी के सार्वजनिक जीवन की 25 साल की सबसे बड़ी उपलब्धि आखिर क्या है?

मैं मोदीजी की विचारधारा का मुखर,प्रखर विरोधी हूँ लेकिन उन्हे बधाई देने में कोई कंजूसी नहीं

बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में फिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा।वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया।

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्त्साइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर का शुरुआत फिल्म ‘गमन’ से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म ‘परिंग’ से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने

खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बाँबे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए,



जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय को एक अलग भाषा निर्मित की। ‘अंगार’ में उनका नकारात्मक किरदार, ‘तिरंगा’ में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, ‘क्रांतिवीर’ में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, ‘अग्निसाक्षी’ में जटिल मानसिकता वाला पात्र और ‘खामोशी: द म्यूजिकल’ में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म

देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय ‘वेलकम’ है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेठ्टी के रूप में ऐसी कामेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका ‘कंट्रोल्, उदय, कंट्रोल!’ जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के

दशक में ‘अब तक छप्पन’, अपहरण, शक्ति: द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। ‘नटसम्राट’ (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। ‘प्रहार: द फाइनल अटेक’ का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे रेटिरोरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पदों पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी मानने भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण

संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया कि वे एक सच्चे ‘क्रांतिवीर’ थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पदों पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी मानने भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण

बोध कथा

एकाग्रता का महत्व



वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसकर रह रहा था। उसने वीर बहादुर से कहा, ‘आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बन लेते हैं आप?’ वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, ‘देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद

देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूँ।’

नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता। शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहज हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर वीर बहादुर का पालतू बन गया। इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, ‘अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है, लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।’

कविता

आखिरी ऐवटर



रंगनाथ द्विवेदी

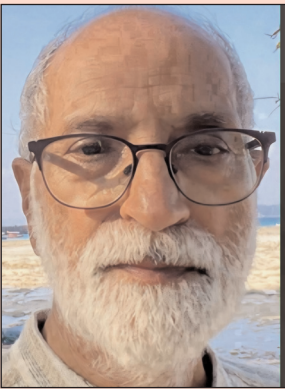
तुम्हारे जाने से जैसे बंद हो गया हो हमारे शहर का कोई आखिरी थिएटर. हमें याद है क्रांतिवीर फिल्म में तुम्हारे हॉट में दबी वह बीड़ी जो हमारी अपनी बोड़ी थी हमारा अपना धुंआ था . उठो! बोलो! कि ‘धनिया चाचा यहां भत मारना छोटा दिमाग होता है‘ नहीं कर सकता इतनी क्लासिक एक्टिंग कोई और ऐक्टर. बस्ती के दीो के दृश्य की

वह डायलॉग डिलवरी ‘बता बे उजड़े चमन इसमें कौन सा खून हिंदू का है और कौन सा मुसलमान का ‘ उफ! सिहर उठा था पूरा थिएटर आँख में सिर्फ साँस थे और हमारे सामने खड़ा था प्रताप यानी नाना पाटेकर.

यशवंत लोहार देखो अभी सत्ता के करप नेता का कोई बेटा राह चलती किसी लड़की का पीछे से कूल्हा थपक हंसेगा . और हमारी गूंगी पुलिस जब देश की व्यवस्था के आगे किसी हिबड़े की तरह अपना सर झुकाये खड़ी होगी ।

व्यंग्य केसरी

मिल गया... मिल गया...!



डॉ. रामेश्वरम तिवारी

प्राचीन यूनान (ग्रीस) के प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्किमिडीज के बारे में अधिकांश पढ़े-लिखे जानते हैं। उनको स्नान करते समय उत्प्लावकता (Buoyancy) और सोने के मुकुट की शुद्धता की जाँच का फ़ार्मूला मिल जाने पर वह में स्नानालय से बिना कपड़ों के युरेका... युरेका... चिल्लाते हुए निकल पड़े थे, ठीक उसी तर्ज पर

देश के मुख्य विपक्षी दल और उसके अमर्चों-चमचों द्वारा पिछले दस-बारह सालों से लगातार सड़क और संसद के भीतर-बाहर चिल्लाए जा रहे हैं... कि उनको सत्ता हथियाने का मुद्दा- ‘मिल गया... मिल गया!’ पर ट बार तरह जैसे ही मुद्दे का गुब्बारा आसमान से लेकर मतदाताओं के नाम हटाए जाने तक, पाकिस्तान पर एयर उनका देश को अस्थिर करने, अराजकता फैलाने सपना धरा का धरा रह जाता है।

बाबरी मस्जिद को ढहाने से लेकर राम मंदिर के निर्माण से तक, नोटबंदी से लेकर कश्मीर में धारा-370 हटाने तक, राफेल से लेकर पेगासिस तक, चीन द्वारा हिमालय को हड़पने के आरोपों से लेकर पाकिस्तान द्वारा भारतीय सेना के कितने विमान गिराए जाने के तक, देश के उद्योगपति अडानी से लेकर अंबानी तक, डिंडनबर्ग

की रिपोर्ट से लेकर एपेस्टिन की रिपोर्ट तक, कोरोना काल में मौत के झूठे आँकड़ों से लेकर कोराना वैक्ससीन तक, वोटिंग मशीन हैक करने से लेकर फ़र्जी मतदान तक, संविधान बदलने से लेकर लोकतंत्र की हत्या तक, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता से लेकर मतदाताओं के नाम हटाए जाने तक, पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक से लेकर सिंदूर ऑपरेशन तक,अमेरिकी राष्ट्रपति के झूठ से लेकर आर्थिक सुनामी तक, अमेरिका-इज़राइल द्वारा ईरान पर आक्रमण करने तक, पेट्रोल-गैस की कृत्रिम तंगी से लेकर झूठी अफवाहें उड़ाने तक, मानव संसाधन मंत्री के इस्तीफ़े को लेकर छात्रों की गूँज कार्यक्रम तक आसमान में आरोपों के भोंथरे तीरों के बरसात की जा रही है, पर सरकार की अयस्क दीवार को आज तक भेदा नहीं जा सका है।

साथ ही, अनर्गल आरोप लगाकर देश के विकास के रास्ते में रोज नुकीली कीलें बिछाई जा रही हैं। चौबीसों घंटों सरकार के रथ को पंचर करने की कोशिशें हो रही हैं, पर लाख कोशिशों के बावजूद सफलता की चाबी हाथ नहीं लग रही है। विपक्षी मुखियाओं की दिन-ब-दिन जनता के बीच साख गिरती जा रही है। एक-एककर देश की राज्यों से उनकी पार्टी की सरकारों का सफाया होता जा रहा है, पर विरोध में सर उठा रहे दलों की कुछ समझ नहीं आ रहा है। मुख्य विपक्षी दल मुखिया की ऊटपटंग हरकतों को देखकर धीरे-धीरे पार्टीनर दल छिटकते जा रहे हैं, बावजूद मूढमति है कि अतीत के गुमान में अंधा हुआ जा रहा जा रहा है। देश का शुभचिंतक होने नेला अंत में इतना ही कहना है कि... खुदा खैर करे... राम जो कृपा करे!

इतिहास

9 अक्टूबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन का साक्षी रहा है।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ

1876: पहली बार टेलीफ़ोन पर आउट वायर के जरिए दो तरफ़ा बातचीत हुई थी।

1962: अफ़्रीकी देश युगांडा ब्रिटेन से स्वतंत्र होकर एक गणतंत्र बना।

1967: अर्जेंटीना के प्रसिद्ध मार्क्सवादी क्रांतिकारी चे ग्वेरा की बोलिविया में हत्या कर दी गई थी।

2006: त्रश्रथहृद्यद ने लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म YouTube के अधिग्रहण (खरीदने) की घोषणा की थी।

2012: महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा के लिए आवाज उठाने वाली पाकिस्तानी कार्यकर्ता मलाला यूसुफ़ज़ई पर तालिबान ने हमला किया था।

जिला ऑटो संघ बिलासपुर चुनाव: अध्यक्ष के लिए 3 प्रत्याशी मैदान में एक अध्यक्ष प्रत्याशी महिला

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिला ऑटो संघ में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए 14 प्रत्याशियों ने भरा नामांकन पर्चा, 12 तारीख को त्रिवेणी भवन में होगा मतदान व मतगणना

जिला ऑटो संघ, बिलासपुर petrol auto के आगामी संगठनात्मक चुनाव को लेकर चुनावी माहौल तेज हो गई है। इस बार चुनाव अधिकारी नगर पालिक निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 42 देवरी खुर्द के पार्षद लक्ष्मी यादव मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप निर्वाचन अधिकारी बिज्जू राव नियुक्त हुए हैं। उनके मार्गदर्शन में नामांकन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए अजय पाणिकर (नान भाई) वकील खान, श्रीमती संतुला देवी पाटले उपाध्यक्ष पद हेतु पुरुषोत्तम टंडन (गुण्डाला भाई) अब्दुल रज्जाक, शेख वजीर, जीवन बंजारे सचिव पद हेतु लोमश कुर्रे, जराड वेनहाशेटन, सहसचिव पद हेतु देव कुर्रे, रामकुमार बघेल

(रामबाबू) जितेंद्र खांडे कोषाध्यक्ष पद हेतु मोहम्मद मेराज (लखन भाई) ताम्रध्वज साहू सहित सभी प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। सभी प्रत्याशियों की नामांकन पर्चा सही पाया गया सभी प्रत्याशियों के लिए अलग-अलग चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में सभी आवश्यक औपचारिकताओं को तय नियमों के तहत पूरा कराया गया।

मुख्य चुनाव अधिकारी लक्ष्मी यादव उप चुनाव अधिकारी बिज्जू

राज्यपाल रमेन डेका का प्रवास आज बिलासपुर में



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। राज्यपाल रमेन डेका 9अक्टूबर को बिलासपुर प्रवास पर रहेंगे और दोपहर 12 बजे सरकंडा स्थित खेल परिसर में आयोजित 26वाँ राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट बालक-बालिका जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल डेका सुबह 9.30 बजे लोक भवन, रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर सुबह 11.30 बजे बिलासपुर के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। उसके बाद 11.50 बजे सर्किट हाउस से सरकंडा स्थित खेल परिसर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 12 बजे जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। राज्यपाल दोपहर 1 बजे खेल परिसर से प्रस्थान कर दोपहर 1.10 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे और भोजन के पश्चात वे दोपहर 2 बजे सड़क मार्ग से रायपुर के लिए रवाना हो जाएँगे।

स्कूटी पर सवार होकर शहर की सफाई देखने निकले अरुण साव

गंदगी देख अफसरों को लगाई फटकार



विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज सुबह हेलमेट लगा खुद स्कूटी चलाते हुए अंबिकापुर शहर की सफाई व्यवस्था देखने निकल पड़े। इस दौरान सतीपारा इलाके में कचरे के ढेर और तालाब की गंदगी को देखकर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए सफाई के निर्देश दिए।

तालाब में मूर्तियों के विसर्जन के बाद से लकड़ी के शेष बचे हुए हैं, जिनकी अब तक निगम प्रशासन सफाई नहीं कर पाया है। अब नवरात्रि आ रही है। इस दौरान मूर्ति विसर्जन की स्थिति में तालाब में और गंदगी को जाएगी। स्थिति को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को फटकारे लगाने के साथ समय पर पूरी कार्य संपन्न करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान महापौर मंजूषा भगत, सभापति समेत नगर निगम कर्मी मौजूद रहे।

सक्ती में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का उग्र प्रदर्शन रेस्ट हाउस से कचहरी चौक तक पैदल मार्च

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और प्रदर्शन का आयोजन किया गया। रायपुर के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी सकती द्वारा ‘लोकतंत्र बचाओ सप्ताह’ के तहत एक आक्रोशित पैदल मार्च ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ के नारे के साथ एक विशाल विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर

अनुनय कॉन्वेंट की छात्रा गरिमा राज्य स्तर के लिए चयनित

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)।नगर में संचालित अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। 03 अक्टूबर 2026 को बिलासपुर में आयोजित 17 वर्षीय आयु वर्ग बालिका कराते की संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा गरिमा, पिता सुमैत्र सिंह एवं माता उत्तरी बाई, ने प्रथम स्थान प्राप्त कर आगामी राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का स्थान एवं दिनांक शीघ्र घोषित किया जाएगा। इससे पूर्व कराते में विद्यालय के छात्र आदित्य साहू का भी 19 वर्षीय आयु वर्ग की राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए चयन हो चुका है। इस प्रकार अनुनय कॉन्वेंट से कराते में दो



विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हो चुके हैं। विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला एवं संभाग स्तर की विभिन्न शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार अब तक लगभग 80 विद्यार्थी जिला स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए तथा लगभग 35 विद्यार्थी संभाग स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हो चुके हैं।

संयुक्त संचालक शिक्षा ने किया स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुधारने के लिए निर्देश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर अश्विनी भारद्वाज और सहायक संचालक प्रकाश तिवारी की संयुक्त टीम ने बिल्हा, चकरभाटा, हरदी एवं हिर्री के विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। जहाँ शिक्षकों की उपस्थिति, निर्धारित कालखंडों में अध्यापन, विद्यालय संचालन और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच कर निरीक्षण में मिली कमियों पर संबंधितों से स्पष्टीकरण लेने और व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय बिल्हा में पदस्थ 10 व्याख्याताओं में से 8 उपस्थित मिले, जबकि 2 अवकाश पर



थे। पूर्व माध्यमिक विभाग में कार्यरत संकुल शैक्षिक समन्वयक द्वारा नियमित अध्यापन कार्य नहीं कराये जाने की बात उजागर होने के उपरांत प्राचार्य चंद्रमान ठाकुर को संकुल शैक्षिक समन्वयक के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा पूर्व माध्यमिक विभाग का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी तरह स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट कन्या विद्यालय चकरभाटा में प्राचार्य सहित 17

व्याख्याता पदस्थ हैं। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य प्रदीप कुमार केरकेट्टा अनुपस्थित मिले। वे अपराह्न 3.45 बजे से विद्यालय में उपस्थित नहीं थे। दो व्याख्याताओं द्वारा ऑनलाइन अवकाश आवेदन दिए जाने की जानकारी मिली। शारीरिक शिक्षा शिक्षक आशीष लहरे की विद्यालय में नियमित उपस्थिति नहीं होने की बात उजागर हुई। निरीक्षण में पाया गया कि उस दिन केवल 4 व्याख्याताओं ने निर्धारित कालखंडों के अनुसार अध्यापन कराया था, जबकि शेष ने एक भी कालखंड नहीं लिया था। पर्याप्त शिक्षक होने के बावजूद अध्यापन व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर प्राचार्य केरकेट्टा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और सभी व्याख्याताओं को समय-सारिणी के अनुसार नियमित अध्यापन कार्य कराने के निर्देश दिए गए।

त्योहारी सीजन से पहले नगर में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व को देखते हुए नगर में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग उठी है। नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद विजय खांडेल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रमुख मार्गों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास बंद तथा खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

ज्ापन में कहा गया है कि त्योहारी सीजन के दौरान अकलतरा में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों का आवागमन होता है। ऐसे में रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा नगर की स्वच्छ एवं व्यवस्थित छवि के लिए आवश्यक है।

पार्षद ने महामाया मंदिर मार्ग, मनकदाई मंदिर मार्ग, तहसील रोड, खिसोरा रोड एवं ओवरब्रिज मार्ग सहित प्रमुख मार्गों का निरीक्षण कर खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने की मांग की है।



युवाओं के नवाचार को मिलेगा मंच

10 क्षेत्रों से चुने जाएंगे 50 विजेता, प्रत्येक को मिलेगी 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत पामगढ़ द्वारा बुधवार, 7 अक्टूबर की शाम ‘सेवा ज्योति यात्रा’ का संदेश दिया गया। सेवा, सुशासन, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस मशाल जुलूस में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, महिला कर्मांडो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मशाल यात्रा के दौरान नगर में सेवा और जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

सेवा ज्योति यात्रा की शुरुआत शाम करीब 5 बजे नगर पंचायत कार्यालय पामगढ़ से हुई। हाथों में मशाल लेकर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और महिला कर्मांडो यात्रा में शामिल हुए। जुलूस नगर पंचायत कार्यालय से निकलकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए

नवीन एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं और प्रत्येक क्षेत्र से 5 विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 50 विजेता चुने जाएंगे तथा चुने हुए प्रत्येक विजेता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक बिलासपुर में ‘सेवा फर्स्ट इन्वोवेशन चैलेंज 2026’ के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रतियोगिता, पंजीयन प्रक्रिया और नवाचार के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के प्रबंधक सुनील पाण्डेय ने बताया कि ‘सेवा फर्स्ट इन्वोवेशन चैलेंज’ के अंतर्गत 10 विभिन्न क्षेत्रों से अलावा बाहर के इच्छुक प्रतिभागी भी भाग ले सकते हैं।

सेवा फर्स्ट इन्वोवेशन चैलेंज 2026’ के लिए पंजीयन शुरू

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से प्रतियोगिता की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने और उन्हें पंजीयन के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की गई। प्रतियोगिता की पंजीयन प्रक्रिया एवं आवश्यक मार्गदर्शन की जानकारी भी दी गई। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

कार्यक्रम में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कबाड़ के जुगाड़ से बना डाली चार सीटर बैटरी कार, 10वीं पास हेमंत के हुनर की हो रही चर्चा



विश्व केसरी■

नवागढ़। अगर मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो संसाधनों की कमी भी रास्ते में बाधा नहीं बनती। इसका उदाहरण नवागढ़ क्षेत्र के ग्राम कटौद निवासी 26 वर्षीय हेमंत कुमार केवट ने पेश किया है। हेमंत ने बिना किसी इंजीनियरिंग की पढ़ाई, तकनीकी डिग्री या डिप्लोमा के कबाड़ और उपलब्ध संसाधनों से चार सीटर बैटरी से चलने वाली कार तैयार कर दी है हेमंत ने बताया कि जब वह करीब 14 वर्ष के थे, तब उन्होंने बच्चों के लिए बैटरी से चलने वाली छोटी कार देखी थी। तभी उनके मन में खुद ऐसी कार बनाने का विचार आया। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने भी उनके इस विचार को मजबूत किया। करीब 12 साल तक मन में संजोए इस सपने को उन्होंने आखिरकार पूरा करने की ठानी इसके बाद हेमंत ने अलग-अलग कबाड़ और उपयोगी सामान जुटाकर कार बनाने का

काम शुरू किया। करीब छह महीने की मेहनत के बाद चार सीटर बैटरी कार तैयार हुई।

हेमंत के अनुसार, कार बनाने में अब तक करीब दो लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। हालांकि इसमें अभी कुछ काम बाकी है।एक बार चार्ज में 120 किमी चलने का दावा हेमंत के मुताबिक कार की बैटरी करीब छई घंटे में चार्ज होती है और पूरी तरह चार्ज होने पर यह करीब 120 किलोमीटर तक चल सकती है। कार की अधिकतम रफ्तार करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है।लार्गमिन बेचकर पॉिवाह का पालन-पोषण हेमंत की जिंदगी भी इस कहानी को खास बनाती है। वह कोई बड़ी वर्कशॉप नहीं चलाते, बल्कि घर के सामने शाम के समय चाडमिन और मंत्रियून बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद परिसर में रंगोली का आयोजन



विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के जनसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को कार्यालय जनपद परिसर पामगढ़ में रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यालय के महिला कर्मचारी एवं स्वसहयता समूह के महिलाओं द्वारा रंगोली छायाचित्र का प्रदर्शन तैयार किया गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद सभापति अश्वनी कुर्रे, ब्यास वर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा एवं मणिशंकर कोशिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज.पं. पामगढ़, मुकेश गोस्वामी,रूपलता बुनकर शर्मा, उमेश कोशले, गौरव सिसोदिया, जगनपद परिसर पामगढ़ में रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यालय के महिला कर्मचारी कर्मचारीगण, जनपद पंचायत एवं स्वसहयता समूह के महिलाएं एवं आम नागरिकगण उपस्थित थे।

पामगढ़ में निकली मत्स्य सेवा ज्योति यात्रा, मशाल जुलूस से दिया सेवा, सुशासन और जनजागरूकता का संदेश

विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत पामगढ़ द्वारा बुधवार, 7 अक्टूबर की शाम ‘सेवा ज्योति यात्रा’ का संदेश दिया गया। सेवा, सुशासन, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस मशाल जुलूस में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, महिला कर्मांडो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मशाल यात्रा के दौरान नगर में सेवा और जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

सेवा ज्योति यात्रा की शुरुआत शाम करीब 5 बजे नगर पंचायत कार्यालय पामगढ़ से हुई। हाथों में मशाल लेकर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और महिला कर्मांडो यात्रा में शामिल हुए। जुलूस नगर पंचायत कार्यालय से निकलकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए



जांजगीर मोड़ तक पहुंचा। इस दौरान लोगों में जांजगीर मोड़ पहुंचने के बाद मशाल जुलूस पुनः नगर पंचायत कार्यालय की ओर रवाना हुआ और नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर यात्रा का समापन किया गया। मशाल जुलूस के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों से जोड़ने के साथ ही सेवा, सुशासन, स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि किसी भी नगर के विकास में केवल

शासन और प्रशासन की भूमिका पर्याप्त नहीं होती, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से लोगों को अपने दायित्वों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यात्रा के दौरान लोगों को अपने आसपास के स्वच्छता बनाए रखने, सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहयोग करने का संदेश भी दिया गया। मशाल यात्रा ने नगरवासियों में सामाजिक जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना को मजबूत करने का काम

किया। सेवा ज्योति यात्रा में नगर पंचायत अध्यक्ष गौरी जांगड़े, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ कमल खुटे, पार्षद सुभाष ओगरे, जीतेश कुर्रे एवं संजय खांडे, एल्डरमैन मुकेश कश्यप, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ब्रजमोहन सिंह, उप अधिन्या सतीश साहू, व्यवस्थापक अवध बिहारी तिवारी, प्रतीक सिंह एवं भरथरी जांगड़े सहित नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।इसके अलावा महिला कर्मांडो दल ने भी मशाल यात्रा में सहभागिता की। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते मशाल जुलूस ने लोगों का ध्यान अकर्षित किया और सेवा संकल्प अभियान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन और प्रशासन की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ नागरिकों को विकास एवं जनसेवा के कार्यों से जोड़ना है।

सिवनी के विद्यालय में नेवता भोज कार्यक्रम आयोजित

विश्व केसरी■

बहेराडीह (नीरज शर्मा)। सिवनी के सभी शासकीय प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शाला में चुनामणी राठौर सभापति जनपद पंचायत बलीदा ने अपने साकेत वासी माता की दूसरी पुण्य तिथि में बच्चों को पूर्ण न्योता भोज कराया ल इस अवसर पर उन्होंने खीर, पुडी, चावल, दाल, सब्जियों, बच्चों को मध्यान्ह भोजन बनाने वही समूह से बनवाकर खिलाया।



उन्होंने कहा कि इन बच्चों को भोजन कराकर मैं अपनी माँ को श्रध्दांजलि अर्पित कर भगवान से प्रार्थना करते हुए यही निवेदन कर रहा हूँ कि प्रभु हर साल ये नेक कार्य माँ की याद में मुझसे कराते रहे छ शिक्षक परिवार की ओर से उन्हें आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना समाज को शिक्षा के साथ जोड़ने का एक अवसर है साथ ही समाज की स्कुल से सहभागिता भी इससे बढ़ती है छ जनप्रतिनिधि व स्कुली बच्चों के पालको का सराहनीय जिला पंचायत के सभापति उमा राजेंद्र राठौर के

साथ बच्चों को चारों स्कूलों में उपस्थित होकर भोजन परोसे। इस पुनीत कार्य में सभी शिक्षकों ने उनके इस नेक कार्य की सराहना किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिवनी के सभी शासकीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिका, महिला समूह, राठौर स्वयं अपने परिवार और मित्रों के साथ सहयोगी जिला पंचायत के सभापति उमा राजेंद्र राठौर के

शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद निफ्टी ने छुआ 52 हफ्तों का निचला स्तर

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार के कारोबार सत्र में भारी गिरावट देखी गई है। इस दौरान सेंसेक्स 1,045.46 अंक या 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,593.24 पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मुख्य सूचकांक निफ्टी 371.25 अंक या 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,231.80 पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र में निफ्टी ने 22,179.90 का न्यूनतम स्तर छुआ, जो कि इसका 52 हफ्तों का निचला स्तर है। बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली है। करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जिसमें निफ्टी मेटल 3.55 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 3.16 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.82 प्रतिशत, निफ्टी कर्मांडिटोज 2.81 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 2.79 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.76 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैनुफैक्चरिंग 2.61 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.52 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 2.49 प्रतिशत, निफ्टी



पीएसई 2.40 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 2.33 प्रतिशत और निफ्टी फार्मा 2.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में आईटीसी, इंडिगो, पावर ग्रिड, बीईएल, एनटीपीसी, माहति सुजुकी, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,500.10 अंक या 2.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57,882.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100

महिंद्रा, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस गेनर्स थे।

जानकारों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें (103 डॉलर प्रति बैरल), डॉलर के मुकाबले रुपए में कमजोरी 97 और एफआईआई की लगातार बिकवाली भारतीय बाजारों में गिरावट की मुख्य वजहें रहीं। सभी सेक्टरों में बिकवाली देखी गई, जिसमें मेटल और रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट क्रमशः 3.6 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत रही।

उन्होंने आगे कहा कि बाजार के दौरान कुछ खास शेयरों में भी हलचल दिखी, जिन कंपनियों ने दूसरी तिमाही के अच्छे शुरूआती नतीजे दिखाए, उनके शेयरों ने मार्केट से बेहतर प्रदर्शन किया। दिन के दौरान सेन्को गोल्ड के शेयर 11.9 प्रतिशत तक चढ़े, लेकिन बाद में मार्केट का मूड बिगड़ने से बढ़त कम हो गई। वहीं, पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी के शेयरों में लगातार चौथे दिन भी तेजी बनी रही, क्योंकि कंपनी ने इस हफ्ते मजबूत नतीजे जारी किए थे।

मार्जिन दबाव से जीएम ब्रुअरीज के शेयरों में बड़ी गिरावट, तिमाही नतीजों के बाद 7 प्रतिशत तक फिसला स्टॉक

विश्व केसरी■
मुंबई। शराब बनाने वाली कंपनी जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयर गुरुवार के सत्र में वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (क्यू2) के नतीजों के बाद दबाव में आ गए। कंपनी ने राजस्व और मुनाफे में वृद्धि दर्ज की, लेकिन परिचालन मार्जिन में गिरावट से निवेशक निराश दिखे और शेयर में तेज बिकवाली देखने को मिली।

बीएसई पर कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर पहले करीब 2 प्रतिशत तक मजबूत हुए थे, लेकिन बाद में रुख पलट गया और शेयर 6.61 प्रतिशत टूटकर 921 रुपए के इंड्र-डे निचले स्तर तक पहुंच गए।

सितंबर तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 12.3 प्रतिशत बढ़कर 39.3 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 35 करोड़ रुपए था। कंपनी का परिचालन राजस्व (रेवेन्यू) भी 18.2 प्रतिशत बढ़कर 214 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 181 करोड़ रुपए था। परिचालन स्तर पर भी कंपनी ने सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की।

ईबीआईटीडीए 12 प्रतिशत बढ़कर 50.3 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 45 करोड़ रुपए था। हालांकि, निवेशकों की



चिंता का मुख्य कारण ईबीआईटीडीए मार्जिन रहा। कंपनी का मार्जिन 25 प्रतिशत से घटकर 23.5 प्रतिशत रह गया। यानी इसमें 250 बेसिस प्वाइंट से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। यही कमजोरी बेहतर राजस्व और मुनाफे पर भारी पड़ती दिखाई दी। जीएम ब्रुअरीज देशी शराब बाजार की प्रमुख कंपनियों में शामिल है। कंपनी संतरा, जीएम डॉक्टर और जीएम लिक्वू पंच जैसे लोकप्रिय ब्रांडों का उत्पादन करती है। तिमाही-

दर-तिमाही आधार पर भी प्रदर्शन सकारात्मक रहा। कंपनी का मुनाफा जून तिमाही के 38 करोड़ रुपए से बढ़कर 39.3 करोड़ रुपए हो गया, जबकि राजस्व 200 करोड़ रुपए से बढ़कर 214 करोड़ रुपए पहुंच गया।

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने 46 प्रतिशत की लाभ वृद्धि और 23 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की थी, जिससे निवेशकों की उम्मीदें काफी ऊंची थीं।

भारत में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश जनवरी-सितंबर में 5.9 अरब डॉलर रहा



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश 2026 की जनवरी-सितंबर अवधि में करीब 5.9 अरब डॉलर रहा है, जो कि सालाना आधार पर 39 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के पहले नौ महीनों में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश में घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 3.5 अरब डॉलर या 60 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट में बताया गया है कि समीक्षा अवधि में दुनिया भर के बाजारों में पूंजी लगाने को लेकर सावधानी और ग्लोबल इकॉनमी के खराब आउटलुक के बावजूद, भारतीय रियल एस्टेट बाहरी उधार-चढ़ाव के बीच काफी हद तक मजबूत बना रहा है। वहीं, घरेलू पूंजी के प्रवाह में साल-दर-साल 59 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी ने भारत में मुख्य रियल एस्टेट एसेट क्लास की गहराई और परिपक्वता को दर्शाया है।

रियल एस्टेट में विदेशी निवेश 17 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें

से ज्यादातर विदेशी पैसा डेवलपमेंट से जुड़े एसेट्स में लगाया गया, क्योंकि निवेशक अल्टरनेटिव, हॉस्पिटैलिटी और मिक्सड-यूज प्रोजेक्ट्स में लंबे समय तक वैल्यू बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि तीसरी तिमाही में निवेश का प्रवाह 1.4 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है, लेकिन पिछली तिमाही के मुकाबले 51 प्रतिशत कम है।

कोलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल यागिनिक ने कहा, '2026 की तीसरी तिमाही में, घरेलू निवेशकों ने लगभग 0.9 अरब डॉलर का निवेश किया, जो कुल निवेश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा था। मिक्सड-यूज और एसेट्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस तिमाही में घरेलू निवेश का 46 प्रतिशत हिस्सा आवासीय और ऑफिस सेगमेंट में गया।' यागिनिक ने बताया कि आवासीय निवेश मुख्य रूप से डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में हुआ, जबकि ऑफिस निवेश का फोकस मुख्य रूप से ऑपरेशनल

एसेट्स पर था।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जोखिम-रिटर्न के दायरे में बदलती पसंद और घरेलू कैपिटल की बढ़ती गहराई से भारत में रियल एस्टेट निवेश को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आने वाली तिमाहियों में विदेशी निवेश की मात्रा में भी बढ़ोतरी होगी।

अच्छी क्वालिटी वाले 'ग्रेड ए' ऑफिस एसेट्स में लगातार लीजिंग और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं के कारण निवेशकों के बीच इस सेक्टर का आकर्षण बना हुआ है।

रियल एस्टेट निवेश में ऑफिस एसेट्स की मुख्य भूमिका रही और नौ महीने की अवधि में कुल निवेश में इनकी हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी। इसके बाद मिक्सड-यूज और एसेट्स का स्थान रहा, जिनकी हिस्सेदारी 16-17 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली एनसीआर की कुल निवेश में लगभग एक-तिहाई हिस्सेदारी है, जबकि कई शहरों से जुड़ी डीलस में सालाना आधार पर दोगुने से ज्यादा की बढ़ोतरी देखी गई।



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) के चेयरमैन आकाश अंबानी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साराहना करते हुए कहा कि डिजिटल उद्योग के विकास को लेकर उनका विजन पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक रहा है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के दौरान न्यूज एजेंसी आईएनएस से बातचीत में आरजेआईएल के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो का उद्देश्य केवल उपभोक्ताओं को नई सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि भारत को तकनीक का निर्माता बनाना भी है। उन्होंने कहा, 'डिजिटल उद्योग के लिए प्रधानमंत्री का

मिशन हमें लगातार प्रेरित करता है और हमें पहले से कहीं अधिक आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। सबसे बड़ा संदेश यही रहा है कि हमें तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बनना है और जियो उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

आकाश अंबानी ने आगे कहा कि कंपनी के लिए यह विशेष अवसर है क्योंकि जियो उनके अनुसार, इस दशक में कंपनी ने भारत

की डिजिटल कनेक्टिविटी को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर जियो ने अपने सैटेलाइट कनेक्टिविटी विजन का भी प्रदर्शन किया। कंपनी लगभग 1,600 ली-अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स के प्रस्तावित समूह पर काम कर रही है और देशभर में 23 प्राइंड स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों तक इंटरनेट और डिजिटल सेवाएं पहुंचाना है जहां पारंपरिक नेटवर्क स्थापित करना कठिन है। जियो ने इस पहल को 'सॉवरैन सैटेलाइट कनेक्टिविटी' के रूप में प्रस्तुत किया, जिसके तहत डिजाइन, इंजीनियरिंग, इंटीग्रेशन, लॉन्च और संचालन सहित पूरी वैल्यू चेन भारत के भीतर बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है।

जीएसटी परिषद ने कर अधिकारियों की गिरफ्तार करने की शक्ति खत्म की

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। जीएसटी परिषद ने गुरुवार को हुई 57वीं बैठक में व्यापार में आसानी से उद्देश्य से कर अधिकारियों की गिरफ्तार करने की शक्ति को खत्म कर दिया है। साथ ही, मुकदमा चलाने की सीमा को 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दिया है। यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से दी गई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस वार्ता में कहा कि पिछले साल सरकार ने जीएसटी की दरों को कम किया था। इस साल हमने प्रक्रिया को आसान बनाने पर फोकस किया है।

सीतारमण ने कहा, 'पंजीकरण में सामान्य बदलावों को अपने-आप अनुमति देने को मंजूरी जीएसटी परिषद ने दे दी है। अब रिफंड तेजी से जारी होंगे और स्वीकृति की अवधि 15 दिन से घटकर 10 दिन हो जाएगी। साथ ही, 90 प्रतिशत



रिफंड 3 कामकाजी दिनों के भीतर जारी कर दिए जाएंगे।'

ई-कॉमर्स कारोबारियों के लिए जीएसटी को आसान बनाने पर उन्होंने कहा, 'ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स के प्लेटफॉर्म

पर छोटे ब्रिकेटाओं के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन की आसान प्रक्रिया से छोटे बने हुए हैं।

इ-कॉमर्स कारोबारियों के लिए जीएसटी को आसान बनाने पर उन्होंने कहा, 'ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स के प्लेटफॉर्म

ने यूपीआई मचेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर जीएसटी को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। ज्यादातर राज्यों ने यूपीआई एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी को लेकर चिंता जताई। नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत ज्यादा वैल्यू वाले मचेंट ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगाने की योजना है।

जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए एक अहम समय पर आया है। नए यूपीआई फ्रेमवर्क में, कुछ शर्तों और छूट के साथ, 2,000 रुपए से ज्यादा के खास 'पर्सन-टू-मचेंट' ट्रांजेक्शन पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर तय किया गया है।

सरकार के मुताबिक, 'पर्सन-टू-मचेंट' यूपीआई ट्रांजेक्शन में से लगभग 96 प्रतिशत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

एक अविस्मरणीय इंसान का निर्माण



अमित गोयल

कुछ अभिनेता ऐसे होते हैं जिन्हें किसी भूमिका की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता। वे किसी दृश्य में प्रवेश करते हैं और देखते-देखते वह दृश्य उनका हो जाता है। उनका किरदार चाहे कितना ही अलग क्यों न हो, उनका चेहरा अपनी एक अलग पहचान बनाए रखता है। नाना पाटेकर ऐसे ही अभिनेता हैं। उन्होंने गैंगस्टर और जनरल, विदूषक और क्रांतिकारी, टूटते हुए बड़े रंगमंचीय दिग्गज—जो धीरे-धीरे अपनी स्मृतियों में खोता जा रहा है—सबको निभाया है। उन्होंने यह सब किया और फिर भी हर मुखौटे के पीछे आप उन्हें महसूस कर सकते थे—खुद नाना को, जो जैसे आपको ही देख रहे हों।

यह समझने के लिए हमें सिनेमा से भी बहुत पीछे जाना होगा। उस तेरह साल के लड़के तक, जो मुंबई में रोज आठ किलोमीटर पैदल चलकर फिल्मी पोस्टर रंगता था—पैंतीस रुपये महीने और दिन में एक वक्त के खाने के लिए।

नाना पाटेकर का जन्म महाराष्ट्र के समुद्रतटीय कस्बे मुरुड-जंजीरा में विश्वनाथ पाटेकर के रूप में हुआ। बचपन के शुरुआती साल बहुत असुविधा में नहीं बीते थे। उनके पिता कपड़ा कारोबार से जुड़े थे और परिवार ठीक-ठाक सुख-सुविधा में रहता था। फिर सब बदल गया। पिता के एक भरोसेमंद साथी ने उन्हें धोखा दिया और कारोबार चौपट हो गया। देखते-देखते ठीक-ठाक जिंदगी संघर्ष में बदल गई।

नाना तब नौवीं कक्षा में ही थे, जब उन्होंने काम करना शुरू किया। सुबह स्कूल जाते और दोपहर में चुनाभट्टी पहुंचते, जहां फिल्मी होर्डिंग्स रंगते थे। मजदूरी थी—पैंतीस रुपये महीना। और इसके साथ मिलता था एक वक्त का खाना।

बाद में उन्होंने भूख और अपमान को अपने दो सबसे बड़े गुरु बताया। इस एक वाक्य में ऐसा वजन है जिसे कोई आत्मकथा भी शायद पूरी तरह पैदा नहीं कर सकती। उन्होंने गरीबी को दूर खड़े होकर नहीं देखा था। वे उसके भीतर जिएं थे। और उस जीवन ने उनके भीतर अपनी छाप छोड़ी। बाद में ये छाप पर्दे पर उनके निभाए आम लोगों के किरदारों में दिखाई दी—वे साधारण होने का अभिनय नहीं करते थे, बल्कि ऐसे लोगों की तरह चलते-बोलते थे जिन्होंने सचमुच जाना था कि उस दुनिया में साधारण होना कितना महंगा पड़ सकता है, जहां किसी का ध्यान आप पर खास तौर पर नहीं जाता।

जबलपुर जा रहे हैं तो जरूर जाएं माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर, जहां दर्शन देते हैं शिवजी का नाग, जानिए क्या है खासियत



अगर आप मध्यप्रदेश जा रहे हैं और माता रानी में आपकी आस्था है तो शक्तिपीठ जबलपुर की जरूर यात्रा करें. जबलपुर में माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर है. यहां की महिमा अलौकिक है. माना जाता है कि यहां आदि पराशक्ति जगतजननी का पहला अंश माता त्रिपुर सुंदरी के रूप में इसी स्थान पर अवतरित हुआ था.यहां की सबसे बड़ी विशेषता यहां के एक पेड़ पर विराजमान काला नाग है. भक्त इसे देवों के देव महादेव के आभूषण का प्रतीक मानते हैं.

मध्य प्रदेश की पावन धरती पर यदि आप घूमने जा रहे हैं तो यहां के त्रिपुर सुंदरी माता का मंदिर जरूर जाएं. यहां अत्यंत प्रसिद्ध और अलौकिक सिद्ध धाम है. भोपाल से लगभग 350 किलोमीटर दूर स्थित यह पवित्र क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतों और शांत वातावरण से घिरा हुआ है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आदि पराशक्ति जगतजननी का पहला अंश माता त्रिपुर सुंदरी के रूप में इसी स्थान पर अवतरित हुआ था. इस दिव्य धाम में प्रवेश करते ही भक्तों को सबसे पहले एक पेड़ पर काला नाग दिखाई देता है, जिसे भगवान शिव के आभूषण का प्रतीक माना जाता है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस पवित्र मंदिर की स्थापना राजा कस्तूरी कर्ण द्वारा की गई थी. यहां आने वाले भक्तगण माता के मंगल रूप और उनकी पवित्र पादुकाओं के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करते हैं।

देश भर के प्रमुख शहरों से यहां बस और ट्रेन द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है.

राजा कस्तूरी कर्ण ने कराई थी मंदिर की स्थापना

यहां पहुंचने का रास्ता प्राकृतिक शोभा से परिपूर्ण है. मनोहर दृश्यों से भरा ये रास्ता भक्तों के मन को भी एक सुंदर अनुभूति से भर देता है. इस संसार में शक्ति माता की लीलाएं अनेक हैं, अनन्य हैं. दीनों का उद्धार करने वाली ये महाशक्ति आदि परा शक्ति जग जननी के रूप में अवतार धारण कर लोक कल्याण करती हैं. ऐतिहासिक कथाओं के अनुसार जबलपुर के इस दिव्य मंदिर की स्थापना भक्त राजा कस्तूरी कर्ण द्वारा करवाई गई थी. यह सिद्ध धाम अपनी अलौकिक शक्तियों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है।

सिनेमा से पहले रंगमंच था। और रंगमंच ने उन्हें कला देने से पहले कुछ और दिया—अपने पिता का ध्यान।

स्कूल में रहते हुए ही नाना गांव के नाटकों में अभिनय करने लगे थे। इसका एक कारण यह भी था कि अपने रूप-रंग को लेकर उनमें जो असुरक्षा थी, शायद अभिनय उससे समझौता करने का एक रास्ता बन गया था। लेकिन एक नाटक ने सब कुछ बदल दिया। नाटक था ‘वाल्मीकि’ और उनके पिता, जिन्हें थिएटर और फिल्मों दोनों से प्रेम था, उसे देखने के लिए मुंबई से आए।

युवा नाना के लिए यह अनुभव किसी रहस्योद्घाटन से कम नहीं था। रंगमंच उन्हें अपने पिता के करीब ला सकता था। उनके लिए इतना कारण ही काफी था कि वे इसे जारी रखें।

यह महत्वाकांक्षा या कलाकार बनने की पारंपरिक कहानी नहीं है। यह उससे कहीं अधिक मानवीय कहानी है—एक बेटे की, जिसने यह खोजा कि अभिनय उस व्यक्ति से संवाद का माध्यम बन सकता है जिसे वह सबसे अधिक चाहता था।

नाना फिल्मी करियर के पीछे नहीं भाग रहे थे। उन्हें थिएटर पसंद था और वे वहीं संतुष्ट थे। तभी उनकी करीबी मित्र स्मिता पाटिल ने हस्तक्षेप किया। वे रंगमंच के उन्हीं दिनों से नाना को जानती थीं और उनमें जो कुछ देखती थीं, उस पर उन्हें भरोसा था। वह उन्हें फिल्मकार रवि चोपड़ा के पास ले गईं।

उन्हें पहली भूमिका ‘आज की आवाज’ में बलाकारियों में से एक की पेशकश हुई। उन्होंने मना कर दिया। चुपचाप नहीं, कूटनीतिक ढंग से भी नहीं। वे नाराज हुए, अपनी बात बिल्कुल स्पष्ट शब्दों में कही और वहां से निकलने ही वाले थे कि स्मिता पहुंच गईं। उस टकराव का परिणाम आखिरकार एक दूसरी भूमिका के रूप में निकला। बहुत बड़ी भूमिका नहीं थी, लेकिन वह प्रवेश-द्वार जरूर थी।

इस कहानी में नाना पाटेकर जैसा कुछ लगभग अविश्वसनीय रूप से साफ दिखाई देता है। उनका फिल्मी करियर इस बात से शुरू हुआ कि उन्होंने फिल्म उद्योग से कहा कि वे क्या नहीं करेंगे। ऐसे कारोबार में जहां समझौता और महत्वाकांक्षा अक्सर सफलता की मुद्रा होते हैं, नाना ने ‘न’ कहकर प्रवेश किया।

फिल्मों ने उन्हें पहचान दी, लेकिन उन्होंने थिएटर से अपना रिश्ता कभी नहीं तोड़ा। उन्होंने एक बार कहा था कि नाटक देखने वाला हर व्यक्ति अपनी आंखों में अपना कैमरा लेकर बैठा होता है। फिल्म का कैमरा सिर्फ रिकॉर्ड करता है। लाइव दर्शक उसमें भाग लेता है।

यह अंतर उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण था। शायद यही वजह है कि उनका अभिनय अक्सर कुछ ज्यादा जीवंत, कुछ कम सोचा-समझा हुआ लगता है—जैसे अगले ही पल वे कुछ अप्रत्याशित कर देंगे। वे अपने संवाद या संकेत का इंतजार नहीं कर रहे होते थे। वे पूरे माहौल



पर प्रतिक्रिया कर रहे होते थे।

उनका प्रसिद्ध मराठी नाटक ‘पुरुष’ सोलह वर्षों तक चला। एक बार उन्होंने अपनी खास बेबाकी से स्वीकार किया कि वे इसे कुछ हद तक पैसे की जरूरत के कारण भी करते रहे—घर के लिए, कार के लिए और उन सामान्य चीजों के लिए जिनकी जिंदगी में जरूरत पड़ती है।

जिस आदमी ने कभी महीने के पैंतीस रुपये कमाए थे, उसे पैसे के साथ अपने रिश्ते को रोमांटिक बनाने की कोई जरूरत नहीं थी। इस मामले में भी वे ईमानदार थे।

फिर आया ‘परिदा’, 1989 में।

अन्ना नामक बेरहम लेकिन बेहद प्रभावशाली गैंगस्टर के रूप में उनका अभिनय उस दशक के भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार प्रदर्शनों में गिना जाता है। लेकिन इस फिल्म ने उन्हें लगभग सचमुच निगल लिया।

चरम दृश्य में वास्तविक आग का इस्तेमाल किया गया था, क्योंकि उस समय डिजिटल इफेक्ट उपलब्ध नहीं थे। शूटिंग के दौरान नाना सचमुच जल गए। उन्होंने बाद में बताया कि उनकी त्वचा तक उधड़ गई थी। लगभग साठ दिनों तक अस्पताल में रहे और महीनों तक काम नहीं कर सके।

आज जब हम वह दृश्य देखते हैं और यह जानते हैं, तो उसका अर्थ बदल जाता है। आग से बेतहाशा बचने की कोशिश कर रहा अभिनेता खतरे का अभिनय नहीं कर रहा था। वह वास्तव में खतरे में था।

शायद इसी वजह से वह दृश्य इतना भयावह

रूप से वास्तविक लगता है। कैमरे ने उस चीज को पकड़ लिया था जिसे पटकथा लिख ही नहीं सकती थी।

कई अभिनेताओं ने सैनिकों को भूमिका निभाई है। नाना सैनिक बनने की तैयारी तक गए। 1991 की फिल्म ‘प्रहार: द फाइनल अटेक’ की तैयारी के दौरान उन्होंने बाकायदा सैन्य प्रशिक्षण लिया और उन्हें मानद रैंक भी दी गई। फिर 1999 में कारगिल युद्ध हुआ। उन्होंने उस संघर्ष के दौरान सैनिकों के साथ समय बिताने, क्विक रिएक्शन टीम का हिस्सा बनने और यह महसूस करने के बारे में बात की है कि पर्दे पर वर्दी पहनकर सैनिक का किरदार निभाने से आगे भी वे कुछ कर सकते थे।

नाना के लिए किसी चीज के पास होना कभी पर्याप्त नहीं था। वे उसे भीतर से जानना चाहते थे।

लेकिन एक कहानी ऐसी है जो नाना पाटेकर के बारे में उनकी अधिकांश भूमिकाओं से ज्यादा बताती है।

इसमें कोई कैमरा नहीं था।

वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ ने एक बार ‘हमीदाबाई की कोठी’ के दौरे के दौरान हुई एक रात को याद किया था। नाटक एक मिल में हो रहा था और वहां बाकायदा मंच भी नहीं था। दर्शक अचानक उग्र हो गए। कुर्सियां टूटने लगीं, लाइटें टूट गईं और स्थिति वास्तविक खतरे की ओर बढ़ने लगी।

नाना ने तुरंत माहौल को भांप लिया। उन्होंने समझ लिया कि उम्रदराज साथी कलाकार अशोक सराफ सबसे ज्यादा खतरे में हैं। उन्होंने उन्हें पकड़ा और वहां से निकलने लगे। दोनों अंधेरे और कीचड़ से गुजरते हुए मुख्य सड़क तक पहुंचे।

वहां नाना ने एक रिक्शा रोका, सराफ को अंदर बैठाया, ड्राइवर से किनारे होने को कहा और खुद रिक्शा चलाकर उन्हें सुरक्षित स्थान तक ले गए।

फिर वे बाकी लोगों को लेने वापस चले गए।

आखिरकार पूरी टीम पुलिस सुरक्षा में लगभग तीन बजे वहां से निकली।

जिस क्षण स्पष्टता और साहस की जरूरत थी, उस क्षण इस आदमी ने दोनों का परिचय दिया। वही आदमी जिसे अपने गुस्से और टकराव भरे स्वभाव के लिए जाना जाता है, जिसे दिखावे से चिढ़ है और जो अधीर माना जाता है।

लेकिन दबाव के क्षण में वह ऐसा इंसान बन गया जिसने सबसे पहले दूसरों के बारे में सोचा और यह सुनिश्चित करने के लिए खतरे में वापस गया कि बाकी लोग भी बाहर निकल आएँ।

नाना ने कभी यह दिखावा नहीं किया कि उनके साथ रहना आसान है। उन्होंने अपने गुस्से के बारे में खुलकर बात की है, उन लोगों के बारे में भी जिन्हें शायद उन्होंने चोट पहुंचाई और उन मौकों के बारे में भी जब उनकी तीखी बातों ने ऐसी चोट पहुंचाई जिसकी जरूरत नहीं थी।

लेकिन उन्होंने एक ऐसी बात भी कही है जो अपनी कठोरता से आपको चौंका देती है—अगर उन्होंने गलती की है तो लोगों को उसे भूलना या माफ नहीं करना चाहिए। उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

ऐसी बातों में कोई बनावटी प्रायश्चित्त नहीं है, कोई सोच-समझकर गढ़ी गई पश्चाताप की भाषा नहीं। ऐसा लगता है कि वे आपकी माफी से ज्यादा आपकी ईमानदारी चाहते हैं।

शायद यही वजह है कि दर्शकों ने इतने लंबे समय तक उन पर भरोसा किया।

उन्होंने पसंद किए जाने के लिए कभी बहुत मेहनत नहीं की। वे बस लगातार सामने आते रहे—अपने पूरे, असुविधाजनक और वास्तविक रूप में।

वर्षों तक गुस्से और गंभीरता से भरी भूमिकाएं निभाने के बाद उन्होंने सबको चौंका दिया।

‘वेलकम’ में उनका उदय श्रेष्ठी ऐसा किरदार था जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। यह आदमी हास्यास्पद था—बेहद मजेदार।

जिस संपूर्ण समर्पण ने अन्ना को डरावना बनाया था, उसी ने उदय श्रेष्ठी को अद्भुत रूप से हास्यास्पद बना दिया।

उन्हें ऐसा लगता ही नहीं था कि दृश्य मजाकिया होना चाहिए। वे दर्शकों की ओर आंख मारकर संकेत भी नहीं करते थे। वे बस ऐसे आदमी के भीतर पूरी तरह उतर गए थे जो खुद

को बेहद गंभीरता से लेता था।

और हास्य उस अंतर से पैदा होता था जो उदय श्रेष्ठी की अपनी नजर में उसकी छवि और उसके आसपास की अराजक दुनिया के बीच था।

कॉमेडी की टाइमिंग को अक्सर एक तकनीकी कौशल माना जाता है। नाना ने कुछ और साबित किया—यह हमेशा विश्वास का भी सवाल है।

लेकिन एक भूमिका ऐसी है जिसे पीछे मुड़कर देखने पर लगभग निश्चित जैसी लगती है।

‘नटसम्राट’ में अपना बेलवलकर एक उम्रदराज रंगमंचीय दिग्गज हैं जिन्होंने अपना सब कुछ मंच को दे दिया है। जब तालियां आखिरकार बंद हो जाती हैं, तब उन्हें उस दर्दनाक अंतर का एहसास होता है जो प्रसिद्ध होने और प्यार किए जाने के बीच होता है।

नाना, जो सिनेमा में इसलिए आए क्योंकि थिएटर उनकी सारी जरूरतों को समेट नहीं पा रहा था; जिन्होंने दशकों तक पर्दे को मंच का विकल्प बनने से इंकार किया—उनके लिए यह भूमिका असाधारण भावनात्मक वजन रखती थी। यह सिर्फ एक अभिनेता का बूढ़े अभिनेता का किरदार निभाना नहीं था।

यह कुछ ज्यादा निजी था—एक आदमी का अपने ही उन फैसलों से संवाद, जिन्होंने उसकी जिंदगी को आकार दिया था।

उनके जीवन की कहानी आखिरकार प्रसिद्धि से कहीं शांत जगह की ओर मुड़ती है।

अपने जीवन में देखी और झेली गई अभाव की दुनिया ने उन्हें महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त इलाकों के किसानों के दुख के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया।

अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर वे नाम फाउंडेशन के प्रमुख प्रेरक बने। यह संस्था वर्षों से पानी की कमी और किसान आत्महत्याओं के दुख से जुड़ते गांवों में काम कर रही है।

वे लगातार इस बात पर स्पष्ट रहे हैं कि यह काम क्या नहीं है—यह दान नहीं है।

किसानों को दया की जरूरत नहीं है। न ही इस बात की कि उनकी मदद करते हुए उनकी तस्वीरें खींची जाएं।

उन्हें चाहिए सम्मान, उनकी भावनाओं और पीढ़ा की स्वीकृति और व्यावहारिक मदद। उन्होंने इस काम को अपने लिए अपनी की एक वजह बताया है। अपने बारे में अच्छा महसूस करने की वजह नहीं।

वह लड़का जो कभी भूखे पेट सोया था, आखिरकार उसने अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करने में लगा दिया कि दूसरे परिवारों को उसी अपमान से न गुजरना पड़े।

एक और बात उल्लेखनीय है।

जब उनके बेटे मल्हार ने अभिनय में कदम रखा, तो बताया जाता है कि नाना ने उद्योग में अपने प्रभाव का इस्तेमाल उसके रास्ते को आसान बनाने के लिए करने से इनकार कर दिया।

लौकी को कोई नहीं पूछेगा, जब इसी से बनेगी ऐसी खस्ता कचौड़ी कि प्लेट खाली हो जाएगी, हर कोई मागेगा बार-बार



लौकी को रोज की सब्जी के बजाय कचौड़ी में शामिल करके स्वाद में बदलाव किया जा सकता है. गेहूं के आटे, सूजी, बेसन और मसालों से बनी यह कचौड़ी बाहर से कुरकुरी बनती है. इसे चटनी, अचार या चाय के साथ नाश्ते में परोसा जा सकता है.

लौकी की सब्जी देखकर अगर घर में बच्चे ही नहीं, बड़े भी बहाने बनाने लगते हैं, तो इसे एक अलग अंदाज में परोसना अच्छा तरीका हो सकता है. लौकी से बनी ये कचौड़ियां स्वाद में मसालेदार और बाहर से खस्ता होती हैं. खास बात यह है कि इसमें लौकी की नमी का इस्तेमाल आटा गूंथने के लिए किया जाता है, इसलिए अलग से ज्यादा पानी डालने की जरूरत नहीं पड़ती.

इसमें गेहूं का आटा, सूजी और बेसन के साथ अजवाइन, तिल, कलौंजी और मसाले डाले जाते हैं, जिससे स्वाद साधारण कचौड़ी से थोड़ा अलग हो जाता है. यह रेसिपी YouTube चैनल Suvidha Net Rasoi पर शेयर की गई रेसिपी पर आधारित है. आएँ जानते हैं इसे बनाने का आसान तरीका.

लौकी की कचौड़ी के लिए सामग्री

1 मीडियम आकार की कच्ची लौकी, 1 कप गेहूं का आटा, 1/4 कप सूजी, 1/4 कप बेसन, 1 छोटा चम्मच अजवाइन, थोड़ी-सी कलौंजी और सफेद तिल, 1 छोटा चम्मच कुटी लाल मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला, थोड़ी-सी कसूरी मेथी और हरा धनिया, 2 चम्मच तेल मोयन के लिए, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

पहले लौकी को इस तरह करें तैयार

सबसे पहले लौकी को छीलकर धो लें. ऐसी लौकी लें जिसमें मोटे और सख्त बीज न हों. इसे बारीक कट्टकर कर लें और थोड़ा नमक मिलाकर करीब 2 मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद हाथों से लौकी को अच्छी तरह निचोड़ें, ताकि अतिरिक्त पानी अलग हो जाए. यहां लौकी का पानी फेंकने की बजाय संभालकर रखना बेहतर है. जरूरत पड़ने पर आटा गूंथते समय इसकी थोड़ी मात्रा इस्तेमाल की जा सकती है.

मसालेदार आटा ऐसे गूंथें

एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी और बेसन लें. इसमें अजवाइन, कलौंजी, सफेद तिल, कुटी लाल मिर्च, हल्दी, गरम मसाला, चाट मसाला, कसूरी मेथी, हरा धनिया और नमक डालें।

विजय देवरकोंडा सेट पर बेहद समर्पित रहते हैं, उनसे बहुत कुछ सीखती हूं : रश्मिका मंदाना

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिससे वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने वहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

मां के नाम पर रखा गया किरदार का नाम

इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।"

शूटिंग पूरी, शेर किया वीडियो

इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, "130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।"

"हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं।

— रश्मिका मंदाना



सैयामी खेर ने खोले इंडस्ट्री के कड़वे राज, बोली-एक्टर या डायरेक्टर को डेट करने की मिली सलाह



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद किया और बताया कि फिल्मों में जगह

बनाने की कोशिश के दौरान उन्हें किस तरह की चुनौतियों और बिना मांगी सलाह का सामना करना पड़ा। सैयामी ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब वह नासिक की एक शांत लड़की

थीं, जिसे फिल्मों की दुनिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही कई लोगों ने उन्हें जज कर लिया था।

मीडिया से बात करते हुए सैयामी खेर ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, 'जब मैं पहली बार फिल्म के सेट पर पहुंची थी, तब मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। बीते 10 साल मेरी जिंदगी के सबसे बड़े बदलाव लाने वाले अनुभवों से भरे रहे हैं। उस समय मैं नासिक से आई एक इंटीवर्ट लड़की थी, जो फिल्मों की दुनिया से अनजान थी। इसके बावजूद मुझे शुरुआत में ही यह मानकर रिजेक्ट कर दिया गया कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूँ।'

सैयामी ने कहा, 'मुझे यहां तक कहा गया कि मैं 'गांव की लड़की' जैसी लगती हूँ और मुझमें एक्ट्रेस बनने की काबिलियत नहीं है। इतना ही नहीं, मुझे इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए ऐसी सलाह भी

दी गई, जिसे सुनना मेरे लिए आसान नहीं था। कुछ लोगों ने सलाह दी कि किसी एक्टर या डायरेक्टर को डेट कर लो, क्योंकि इंडस्ट्री में एंट्री का यह आसान रास्ता है। इसके अलावा मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी कराने और लिप जाँव करवाने की सलाह तक दी गई।' सैयामी ने आगे कहा, 'मेरी परवरिश और माता-पिता से मिले आत्मविश्वास ने मुझे ऐसी बातों से टूटने नहीं दिया। कई बार मुझे इस तरह की बातें सुनकर गुस्सा आने के बजाय हंसी आ जाती थी। मेरे सामने ऐसे कई लोग आए, जिनके पास मुझे देने के लिए मुफ्त की सलाह थी, जबकि दूसरी तरफ मुझे लगभग हर दिन रिजेक्शन का

सामना करना पड़ता था। मेरे करियर में बड़ा मोड़ तब आया, जब एक दिन मुझे अदूर मुखर्जी का फोन आया। उन्होंने कहा कि दिलीप शंकर मेरा टेस्ट लेंगे। मेरे लिए यह मौका बाकी मौकों से अलग था।' सैयामी ने बताया, 'मैंने दिलीप शंकर और आदिल हुसैन के साथ करीब तीन महीने तक वर्कशॉप की। ये तीन महीने मेरी जिंदगी बदलने वाले साबित हुए। इस दौरान मुझे खुद बने रहने, अपने काम में सच्चाई और ईमानदारी रखने और खुद पर भरोसा करने की सीख मिली। इसके करीब छह महीने बाद मुझे राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्ज़ा' के लिए फाइनल कर लिया गया।

गौहर खान ने लव गिल की हरकत पर उठाए सवाल, कहा-अच्छा बनने का दिखावा मत करो



विश्व केसरी■

मुंबई। 'बिग बॉस 20' के घर में काजी तौकीर की तबीयत खराब होने के बाद लव गिल से खाना मांगने और उसके बाद हुए ड्रामे को लेकर सोशल मीडिया और घर के अंदर काफी चर्चा हो रही है। इस पूरे मामले पर बिग बॉस सीजन 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने भी रिएक्ट किया है।

उन्होंने लव गिल के इस बर्ताव पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पूछा कि क्या लव गिल का काजी के प्रति यह मददगार रवैया असली था या सिर्फ एक दिखावा (फेक) था।

अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती हैं, अभी तक लगता था कि लव गिल

अंदर से अच्छी लड़की है, लेकिन गलत संगत का असर भी बुरा ही होता है। तबीयत खराब होने की वजह से काजी ने लव गिल से खाना मांगा, तो लव ने तब तो हां कर दिया कि लेकर आती हूँ। फिर मुझे लगा कि वाह, लव कितनी अच्छी लड़की है। कितने अच्छे तरीके से वह गई।

अभिनेत्री ने आगे कहा, अंदर जाते ही उसे अपने ग्रुप में लोगों से बोलने की क्या जरूरत थी कि काजी बोल रहा है कि मेरे लिए खाना लेकर आओ। मतलब एक सेकंड में आपने मेरी सफाई कर दिया कि आप न तो अच्छे बन सकते हो और न ही उसका दिखावा कर सकते हो। जैसे लव गिल ने किचन में जाकर कहा कि काजी खाना मांग रहा है, तो स्काउट लव से बोलता है कि नहीं, तुम क्यों ले जाओगी, मैं ले जाता हूँ।

हमारे लिए पिता समान थे नाना साहब, हमेशा मदद को रहे तैयार : नाम फाउंडेशन सीईओ

विश्व केसरी■

पुणे। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार आज शाम पुणे के डोनजे इलाके में स्थित उनके निवास 'नानाची वाडी' के पास किया जाएगा। इस खबर के बाद से पूरे महाराष्ट्र और फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

उनके घर के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक जमा हैं और नम आंखों से अपने चहेते अभिनेता के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे हैं। नाना पाटेकर के निधन पर 'नाम फाउंडेशन' के सीईओ गणेश

थोरात ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'नाना साहब हमारे लिए और पूरे महाराष्ट्र के लिए पिता समान थे। जब भी महाराष्ट्र में किसी भी व्यक्ति पर कोई मुसीबत आती थी, तो सबसे पहले मदद का हाथ नाना साहब ही आगे बढ़ाते थे। आज उन्हें खोने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे हमारे सिर से सुरक्षा की छत्रछाया उठ गई हो।'

थोरात ने आगे कहा कि नाना साहब का परिवार पूरा महाराष्ट्र है। इस दुख की घड़ी में सभी को एकजुट रहने की जरूरत है। नाना साहब का सपना था कि महाराष्ट्र

का हर परिवार खुशहाल रहे और किसी पर भी दुख की छाया न पड़े। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में इस समय सूखे की स्थिति है और नाना पाटेकर इस विषय पर भी लगातार काम कर रहे थे। उन्होंने प्रशंसकों से अपील की कि जो भी व्यक्ति नाना साहब के अंतिम दर्शन करना चाहता है, वह शाम 6 से 7 बजे तक पुणे स्थित उनके निवास पर पहुंच सकता है।

अंतिम संस्कार की तैयारियां महाराष्ट्र सरकार की ओर से की जा रही हैं। बड़ी संख्या में प्रशंसकों और चाहने वालों के पहुंचने की संभावना है।

विश्व केसरी■

मुंबई। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से हिंदी सिनेमा के कलाकारों के बीच शोक की लहर है। उनके साथ काम कर चुके कलाकार भावुक होकर उन्हें याद कर रहे हैं। किसी ने उनके अभिनय को प्रेरणा बताया, तो किसी ने उनके बेबाक अंदाज को याद किया।

डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने लिखा, 'प्यारे दादा, मुझे आपके देर रात के कॉल्स की याद आएगी। कोई हैलो नहीं और कोई फॉर्मैलिटी नहीं, बस एक सीधा सवाल, 'ऐं शेट्टी, क्या कर रहा है?' और मैं जानबूझकर बोलता था- 'कौन बोल रहा है?', ताकि आपको चिढ़ा सकूँ और इसके बदले मैं आप जवाब में कहते- 'साले, नाना बोल रहा हूँ।' मेरी रिलीज के बाद, आप



मेरे सबसे बड़े और सबसे ईमानदार क्रीटिक्स में से एक थे। आप कभी किसी चीज को शुगर-कोट नहीं किया।'

रोहित शेट्टी ने लिखा, 'यह फिल्म वाली तूने अच्छी बनाई... यहाँ फालू मुझे अच्छी नहीं लगी, यह फिल्म सुपरहिट है, इस फिल्म

को तुमने हिट बनाने की कोशिश की है और फिर, अपने अंदाज में, आप मुझे याद दिलाते- 'अबे, तू खुद स्टार है... तुझे इतने स्टार्स की

जरूरत नहीं है।' मैं कभी नहीं भूलूंगा जब आपने 'गोलमाल अगेन' में कैमियो किया था। मैंने आपसे पूछा, 'दादा, आपकी फीस?' और आपने मेरी तरफ देखा और कहा, 'तुझसे पैसे लूंगा? एक अनाथाश्रम का नंबर देता हूँ, वहाँ डोनेट कर दे।' वो आप थे दादा। सीधे, दिलदार और बिना फिल्टर के... हमेशा सच्चे इंसान। मुझे आपका शेट्टी कहलाना याद आएगा। आपकी याद आएगी दादा।'

अभिनेता ऋतिक रोशन ने नाना पाटेकर को याद करते हुए एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'आपने दर्शकों को ऐसा सिनेमा दिया, जिसमें सच्चाई और मनोरंजन दोनों का खास मेल था। आपके दमदार अभिनय, सहज हास्य और ऐसे किरदार, जिन्हें भुलाना मुश्किल है।

विश्वनाथ पाटेकर उर्फ नाना पाटेकर...

विश्व केसरी■



पंकज शुक्ल

'हाँ, मन्था सुर्वे मेरे मामा का बेटा है।' नाना पाटेकर ने जब पहली बार ये स्वीकारोक्ति की थी तो मुंबई फिल्म जगत को जैसे सौंप सूँघ गया था, गिनती के ही लोगों को तब तक पता था कि नाना पाटेकर और मन्था सुर्वे बचपन में साथ साथ खेले हैं। वही मन्था सुर्वे जिसके नाम से बंबई का अंडरवर्ल्ड बाँपता था।

और, यही एक वजह रही कि नाना पाटेकर की परवरिश मुंबई के बजाय मुरुड में हुई। उनकी माँ निर्मला नहीं चाहती थीं कि बेटा भी अपने ननिहाल के माहौल में पले-बढ़े। और, नाना पाटेकर की कहानी फिल्मों से नहीं, उनकी माँ से ही शुरू होती है।

'I have learnt acting from her. I have learnt everything from my mother.' अपनी माँ निर्मला के बारे में नाना का यह वाक्य जितना छोटा है, उसके पीछे उतनी ही बड़ी जिंदगी है। सात बच्चों में पाँच को खो देने वाली माँ का दिल कितना रोया होगा। अपने सामने ही माता-पिता को खोया, पति को खोया और अपने भाई का संराम एनकाउंटर भी...!

नाना के लिए वह सिर्फ घर की मुखिया नहीं थीं; जीवन को देखने का उनका पहला ढंग थीं। नाना का जन्म विश्वनाथ पाटेकर के रूप में हुआ। पिता गजानंद पाटेकर कपड़े के कारोबार से जुड़े थे और मुंबई में रहते थे। नाना और उनके भाई अशोक-दिलीप मुरुड में माँ के साथ बड़े हुए। छुट्टियों में बच्चे मुंबई आते और पिता के साथ समय बिताते। इस दूरी ने बचपन में पिता को उनके लिए एक ऐसे आदमी की तरह बना दिया था, जो अपना था, मगर हर समय



ताकि सनद रहे...
Nana Patkar

पास नहीं था। बचपन की दूसरी चोट आर्थिक नहीं, भीतर की थी। दोनों भाई उनसे गोरे थे और नाना अपने रंग को लेकर हीनभावना से घिरे रहते। उन्होंने याद भी किया था कि उनकी माँ पड़ोस की एक बच्ची से पूछती थीं कि वह दिलीप से शादी करेगी या नाना से। बच्ची हर बार दिलीप की ओर इशारा करती। वजह पूछने पर कहती, नाना काले हैं। एक बच्चे का आत्मविश्वास तोड़ने के लिए ये बहुत ज्यादा था।

स्कूल के दिनों में नाना ने नाटकों में काम करना शुरू किया। पहला बड़ा नाटक देखने उनके पिता मुंबई से मुरुड आए। नाना के पिता खुद तमाशा, नाटक और सिनेमा के शौकीन थे। एक बार नाना ने वाल्मीकि में अभिनय किया। विजयाबाई मेहता के पास ही बैठे थे उनके पिता और उन्होंने नाना के पिता से कहा, 'नाना मेरा बेटा है।' पिता क्या ही करता, उसने बहुत शांत ढंग से जवाब दिया, 'सौभाग्य देखिए, ये मेरा भी बेटा है।'

'ताकि सनद रहे विद पंकज शुक्ल' नियमित पढ़ने वालों में से कड़ियों को पता होगा कि किशोरावस्था में नाना ने फिल्मों के पोस्टर रंगे। विज्ञापन एजेंसी में काम किया, मगर थिएटर के लिए नौकरी छोड़ दी। उन्हें पता था कि मंच उन्हें पहचान दे सकता है, पैसा नहीं। पिता के इलाज के लिए पैसे तक जुटाना

मुश्किल था। दवाइयों का खर्च निकालने के लिए उन्हें नाटक करने पड़ते थे। और जब पिता की मृत्यु हुई, तब भी महासागर के तीन शो उनके सामने थे।

नाना के मुताबिक, पिता की देह घर में थी, अंतिम संस्कार होना बाकी था और वह मंच पर चले गए। विक्रम गोखले उस स्थिति से परिचित थे। जिस संवाद में उन्हें नाना से उनके पिता के बारे में पूछना था, उसके पीछे नाना का अपना शोक खड़ा था। नाना ने वह शो किया। फिर, नाना के जीवन में नीलकांति आई। नीलकांति रंगमंच अभिनेत्री थीं और बैंक में नौकरी करती थीं। 1978 में दोनों ने शादी की। नाना को एक शो के लगभग 50 से 75 रुपये मिलते थे, जबकि नीलकांति की बैंक की नौकरी से लगभग 2,500 रुपये महीना आता था। जब नाना ने विज्ञापन की नौकरी छोड़कर पूरी तरह थिएटर को अपनाने का फैसला किया, तो नीलकांति ने उन्हें आर्थिक सुरक्षा दी।

नाना ने कहा भी कि वह जो कुछ हैं, उसमें नीलकांति का बड़ा योगदान है। लेकिन सफलता आने से पहले उनके जीवन में एक ऐसा दुख आया जिसका असर शायद उम्र भर रहा। उनका पहला बेटा दुर्वासा जन्म से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था। वह ढाई साल का था जब उसकी मृत्यु हो गई।

पेजेरिकयन और पुतिन की फोन वार्ता, रणनीतिक द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■
वाशिंगटन। ईरान के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, राष्ट्रपति मसूद पेजेरिकयन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को जारी रखने और इसे और मजबूत करने पर जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार बुधवार को फोन पर हुई बातचीत में पेजेरिकयन ने कहा कि ईरान और रूस को अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग को जारी रखने के साथ इसे और बढ़ाना चाहिए। इस दिशा में आगे बढ़ना दोनों देशों के साझा हितों में है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पुतिन ने कहा कि क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रम के बावजूद रूस और ईरान के बीच व्यापक रणनीतिक सहयोग समझौते के



तहत साझेदारी जारी है। उन्होंने मॉस्को और तेहरान के बीच करीबी रिश्ते और सहयोग बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। पुतिन ने ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने और

पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए कुछ देशों की कोशिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रूस ऐसी कूटनीतिक कोशिशों का समर्थन करता है और जरूरत पड़ने पर इसमें अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के दूसरे शहरों पर हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल के साथ-साथ क्षेत्र में

मौजूद अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए कई मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और सख्त कर दी। इसके बाद 8 अप्रैल को संघर्ष में शामिल पक्षों के बीच सीजफायर हो गया। 18 जून को ईरान और अमेरिका ने क्षेत्र में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने को लेकर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर बातचीत करनी थी। यह समयसीमा 17 अगस्त को खत्म हुई और इसका मकसद एक अंतिम समझौते तक पहुंचना था। हालांकि, लगातार बढ़ते तनाव के बीच दोनों पक्ष किसी समझौते की दिशा में पर्याप्त प्रगति नहीं कर पाए।

सऊदी अरब में नागरिक ठिकानों पर हमले की भारत ने आलोचना, आमजन को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों पर हुए अलग-अलग हमलों को कड़ी निंदा की। सऊदी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 36 अन्य घायल हो गए। भारत ने इस मुश्किल समय में सऊदी अरब के साथ एकजुटता की बात कही।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत पिछले कुछ दिनों में आधा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमलों की कड़ी निंदा करता है। इन हमलों में आम लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने हमलों का विरोध जताते हुए कहा कि आम नागरिकों से जुड़ी जगहों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा



सकता। हम उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताते हैं, जिन्होंने इन हमलों में अपने प्रियजनों को खोया है। साथ ही, हम घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। भारत इस मुश्किल समय में सऊदी अरब की जनता और सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बताया कि इन हमलों में मंगलवार और बुधवार को दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब के आधा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सऊदी राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया और दोनों जगहों पर संपत्ति का नुकसान हुआ। इससे पहले बुधवार को हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने कहा था कि कई ड्रोन से किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया।

संक्षिप्त खबर

बलूचिस्तान में नुकसान के बाद बैकफुट पर पाक सेना, रिटायर्ड जवानों को फिर से बुलाने की तैयारी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में भारी जनहानि और सैनिकों के नौकरी छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति पाकिस्तानी सेना के लिए सिद्ध बनी हुई है। सेना गंभीर जनबल संकट से जूझ रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए पाक सुरक्षा प्रतिष्ठान ने सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को तत्काल प्रभाव से फिर से फ़िर से भर्ती करने का निर्देश जारी किया है। फ्रंटियर कॉर्पस, बलूचिस्तान (उत्तर) के इस्पेक्टर जनरल ने एक आधिकारिक संदेश में रिटायर्ड सैनिकों से तुरंत रिपोर्ट करने और दोबारा भर्ती होने को कहा है। एक अधिकारी ने कहा कि इस संदेश से दो बातें पता चलती हैं। पहली बात यह है कि पाकिस्तानी सेना में सैनिकों की भारी कमी हो गई है, क्योंकि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे गुटों के हमलों में सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अधिकारी ने कहा, 'इस तरह के संदेश का दूसरा कारण यह हो सकता है कि पाकिस्तान सेना इन इलाकों में अपने ऑपरेशन तेज करने की तैयारी कर रही है। बीएलए और बीएलएफ जैसे गुटों ने अपनी क्षमताएं काफी बढ़ा ली हैं और महिला सुइडस यूनिट भी बनाई हैं।



ग्रेटर नोएडा: जेवर के जहांगीरपुर हत्या मामले में छह नामजद आरोपियों पर केस दर्ज

विश्व केसरी■
ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर कस्बे में बुधवार देर रात रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुराने बाजार में बाइक सवार बदमाशों ने इमरान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद जहांगीरपुर कस्बे में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, वारदात बुधवार रात करीब 11 बजे जहांगीरपुर के पुराने बाजार क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा है कि इमरान अपने घर के आसपास मौजूद था, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उस पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने कई राउंड गोलियां चलाई और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके पर दो बिना नंबर प्लेट की बाइक छोड़कर फरार हो गए। गोली लगने से इमरान गंभीर रूप से घायल हो गया था। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उपचार के दौरान इमरान को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोल्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और वारदात से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जांच शुरू की।



जल जीवन मिशन और पोलावरम के लिए केंद्र सरकार समय पर जारी करे फंड : सीएम नायडू

विश्व केसरी■
अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और जल जीवन मिशन-अमरजीवी जलधारा कार्यों और पोलावरम परियोजना के लिए समय पर फंड जारी करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री नायडू ने पोलावरम परियोजना की प्रगति और हाल ही में 30,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किए गए जल जीवन मिशन-अमरजीवी जलधारा कार्यों की जानकारी दी। बता दें कि पोलावरम परियोजना आंध्र प्रदेश के एलुरु और पूर्वी गोदावरी जिलों में गोदावरी नदी पर स्थित एक प्रमुख बहुउद्देशीय राष्ट्रीय सिंचाई



परियोजना है। दो दिवसीय दिल्ली दौरे के तहत मुख्यमंत्री नायडू ने सीआर पाटिल से मुलाकात की और बताया कि पोलावरम का काम तेज गति से चल रहा है, जिसका लक्ष्य अगले साल गोदावरी पुष्कर तक परियोजना को पूरा करके राष्ट्र को समर्पित करना है। यहां जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री नायडू ने केंद्रीय मंत्री

से ओडिशा और छत्तीसगढ़ से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों को सुलझाने का भी आग्रह किया। उन्होंने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पोलावरम परियोजना के तहत ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बनने वाले सुरक्षात्मक तटबंधों के लिए लंबित जन सुनवाई के संबंध में जारी स्टॉप वर्क ऑर्डर को स्थायी रूप से वापस लेने का अनुरोध किया।

‘सऊदी अरब ने छह प्रांतों में किए 156 हवाई हमले, नागरिक ठिकानों को बनाया निशाना’, हूती विद्रोहियों का दावा

विश्व केसरी■
सना। यमन के हूती समूह ने कहा है कि सऊदी अरब की सेना ने हूतियों के कब्जे वाली राजधानी सना और पांच अन्य प्रांतों में 156 हवाई और मिसाइल हमले किए हैं। वहीं, सऊदी अरब की सीमा के पास उत्तरी यमन के अल-जौफ प्रांत में हूती लड़ाकों और सरकारी बलों के बीच फिर से संघर्ष शुरू होने की खबर है। हूती सेना के प्रवक्ता याह्या सारेया ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा कि सऊदी हमलों में सना के अलावा ताइज, सादा, अल-जौफ, मारिब और अमरान प्रांतों के इलाकों को निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में आम नागरिकों से जुड़ी जगहों को भी निशाना बनाया गया, हालांकि उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी। सारेया के मुताबिक, ताजा हमलों के बाद मौजूदा तनाव बढ़ने के बाद से सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई और मिसाइल हमलों की कुल संख्या 1,798 हो गई है। सऊदी अरब की ओर से इन दावों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सारेया ने कहा कि हूती लड़ाकों ने पूर्वी अल-जौफ में अपने ठिकानों की ओर बढ़ने की यमन के सरकारी बलों की कोशिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने दावा किया कि हूती लड़ाकों ने अल-जौफ में सरकारी सैनिकों के ठिकानों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया। इन हमलों में कई सरकारी सैनिकों के मारे जाने या घायल होने और कई सैन्य वाहनों के नष्ट होने का दावा किया गया है। बुधवार को ही यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के मुताबिक, इसी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर हमले में किया गया था। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर बताया कि सना में इस प्लेटफॉर्म को उस समय नष्ट किया गया।



मुस्लिम लड़कों का गरबा में जाना हराम, अपनी पहचान का करें सम्मान : नदवी

विश्व केसरी■
भोपाल। नवरात्रि का पर्व करीब है और हर तरफ गरबा की तैयारी चल रही है। इन आयोजनों में मुस्लिम युवक भी हिस्सा लेते हैं। भोपाल के मुफ्ती मोहम्मद गुफ्रान खान नदवी ने मुस्लिम लड़कों से गरबा में शामिल न होने की अपील करते हुए कहा कि इस आयोजन में शामिल होना हराम है। सोशल मीडिया पर जारी हुए एक वीडियो में मुफ्ती मोहम्मद गुफ्रान खान नदवी ने कहा है कि कुछ मुस्लिम युवक अपने दोस्तों के साथ गरबा में जाना बेहतर समझते हैं लेकिन उन्हें इससे बचना चाहिए क्योंकि दूसरी कौम का धार्मिक पहचान और रस्मों का अनुसरण करना उचित नहीं है। मुस्लिम युवाओं को अपनी धार्मिक पहचान और परंपरा के लिए जागरूक करना चाहिए। दरअसल विभिन्न समितियों द्वारा नवरात्रि के मौके पर देवी



है? बस इतना ही कहूंगा कि यह हराम है। मुफ्ती ने मुस्लिम समाज के लड़कों को सलाह दी है और कहा है कि कुछ मुस्लिम युवक अपने दोस्तों के साथ गरबा में जाना बेहतर समझते हैं लेकिन उन्हें इससे बचना चाहिए क्योंकि दूसरी कौम का धार्मिक पहचान और रस्मों का अनुसरण करना उचित नहीं है। मुफ्ती के बयान से पहले ऑल इंडिया मुस्लिम ल्योहार कमेटी भी मुस्लिम समाज के युवाओं से यह अपील कर चुकी है कि वह गरबा में जाने से परहेज करें। कमेटी की ओर से कहा गया था।

बोंडी हमले के बाद सिडनी में बहुत कुछ बदला, अब सड़कों पर दिखेगी नई आर्म्ड फोर्स

विश्व केसरी■
सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बोंडी बीच आतंकी हमले (दिसंबर 2025) के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठे थे। अब इस पर बड़ा फैसला लिया गया है। हमले के बाद गठित की गई रैपिड रिसपॉन्स यूनिट के पूरी तरह ऑपरेशनल होने से पहले ही पूरे सिडनी में भारी हथियारों से लैस पुलिस की तैनाती की जाएगी। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने इस नई आर्म्ड यूनिट का अनावरण किया है। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की सरकार ने गुरुवार को कहा कि राज्य पुलिस बल की नई 'आर्म्ड रिसपॉन्स कमांड' (एआरसी) के अधिकारी आगामी हफ्तों में सिडनी में गश्त शुरू करेंगे, फिलहाल इस यूनिट की ट्रेनिंग जारी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर में बोंडी बीच पर आतंकी हमला हुआ था। अंधाधुंध गोलीबारी में 15 लोग मारे गए थे। बीच पर यहूदी त्योहार के उपलक्ष्य में लोग जुटे थे।



इसके बाद ही एआरसी को एक स्थायी यूनिट के तौर पर बनाया गया था। एनएसडब्ल्यू के प्रीमियर क्रिस मिन्स, पुलिस और आतंकवाद-रोधी मंत्री यस्मीन कैटली और पुलिस कमिश्नर मैल लैन्यन ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि एआरसी अधिकारी ज्यादा जोखिम वाले इलाकों (धार्मिक स्थलों और बड़े समारोह आयोजन स्थल) पर गश्त करेंगे और किसी भी खतरे का जवाब तुरंत देंगे। 250 अधिकारियों वाली इस यूनिट के पास कॉम्बैट असॉल्ट राइफलों और खास तौर पर तैयार की गई 24 गाड़ियां होंगी, और उन्हें एक स्पेशलाइज्ड ऑपरेशन सेंटर का सहयोग भी मिलेगा।

प्री-पीटीसी एडमिशन नियमों में बदलाव, गुजरात में ईडब्ल्यूएस और दिव्यांगों को मिलेगा लाम

विश्व केसरी■
गांधीनगर। गुजरात सरकार ने प्री-पीटीसी (डीईसीडी) कॉलेजों में एडमिशन के लिए अधिकतम उम्र सीमा 24 साल से बढ़ाकर 30 साल कर दी है और प्रति क्लास सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 62 कर दी है। साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और दिव्यांगों के लिए आरक्षण भी लागू किया गया है। प्री-पीटीसी (प्राइमरी टीचर सर्टिफिकेट) कॉलेजों (जिन्हें बाल अध्यापन मंदिर भी कहा जाता है) के लिए घोषित ये सुधार प्री-प्राइमरी एजुकेशन में टीचर्स की ट्रेनिंग तक ज्यादा लोगों को पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ये बदलाव मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में घोषित किए गए हैं, जिसमें शिक्षा मंत्री प्रद्युमन वाजा और शिक्षा राज्य मंत्री रिवावा



जडेजा शिक्षा विभाग का काम देख रहे हैं। नए नियमों के तहत अब हर क्लास में पहले की 50 सीटों की जगह 62 सीटें होंगी, यानी 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इनमें से 17 सीटें सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लिए 27 फीसदी कोटे के तहत, 4 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 7 फीसदी कोटे के तहत और 9 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 15 फीसदी कोटे के तहत आरक्षित होंगी।

ओपन कैटेगरी के लिए 26 सीटें होंगी जबकि ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 10 फीसदी कोटे के तहत 6 सीटें आरक्षित रहेंगी। नए नियमों में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 32 के अनुसार दिव्यांगों के लिए 5 फीसदी आरक्षण का भी प्रावधान है। दिव्यांग कोटा निर्धारित दिव्यांगता श्रेणियों में बांटा जाएगा। दिव्यांग उम्मीदवारों का चयन मेरिट और उनकी पसंद के आधार पर किया जाएगा।

अहमदाबाद नगर निकाय ने 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य पूरा किया, कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम भूपेंद्र पटेल

विश्व केसरी■
अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) ने अपने 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' अभियान के तहत 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को 'सेवा, संकल्प और समर्पण अभियान' में शामिल हुए। उन्होंने भदाज में पेड़ लगाने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री पटेल ने कैबिनेट मंत्री ऋषिकेश पटेल, अहमदाबाद



के मेयर हितेश बरोट और अन्य होने से पहले मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा बातचीत की। भदाज में पौधरोपण के लिए लगभग 85,000 वर्ग

मीटर जमीन है, जिसमें से अब तक 66,600 वर्ग मीटर में एक लाख से ज्यादा पेड़ लगाए जा चुके हैं। इस जगह पर पेड़ों की 38 से ज्यादा किस्में हैं और यहां 'त्रिफला वन' बनाने की भी योजना है। इस पौधरोपण अभियान में सांसद दिनेश मकवान, डिप्टी मेयर अंजु शाह, स्थायी समिति के अध्यक्ष कमलेश पटेल, राजनीतिक नेता प्रेरक शाह, स्थानीय विधायक, नगर आयुक्त बंछनिधि पानी, वरिष्ठ अधिकारी,

एएमसी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। एएमसी ने 2019 में 'मिशन मिलियन ट्रीज' अभियान शुरू किया था। इस पहल के तहत पेड़ लगाने का लक्ष्य समय के साथ बढ़ाया गया है और इस वर्ष नगर निकाय ने 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा था। नगर निकाय ने बताया कि उसने 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' के तहत 50 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।

फीफा रैंकिंग: स्पेन टॉप पर बरकरार

पुर्तगाल पांचवें नंबर पर



विश्व केसरी ■ **ज्यूरिख।** फीफा वर्ल्ड रैंकिंग में विश्व चैंपियन स्पेन ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। ताजा रैंकिंग में पुर्तगाल और स्विट्जरलैंड को फायदा हुआ है। दोनों टीमों 2-2 स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः पांचवें और 12वें नंबर पर पहुंच गई हैं। अर्जेंटीना दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कोटे डी आइवर, स्वीडन, ग्रीस, माली और साउथ अफ्रीका को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है।

स्पेन ने जुलाई में वर्ल्ड रैंकिंग में अर्जेंटीना को हटाकर टॉप पर जगह बनाई थी। इसकी वजह फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में 1-0 से जीत थी। स्पेन ने उसके बाद से अपने सभी चार मैच जीते हैं और पुरुषों के इंटरनेशनल फुटबॉल का रिकॉर्ड बिना हारे 42 मैचों तक पहुंचा दिया है।

स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड का नंबर आता है, लेकिन पुर्तगाल पांचवें नंबर पर पहुंच गया, जिससे ब्राजील और मोरक्को क्रमशः छठे और सातवें नंबर पर आ गए। फीफा की रिपोर्ट के मुताबिक, नए कोच जॉर्ज जीसस के अंडर पुर्तगाल ने हाल ही में यूईएफए नेशंस लीग के अपने चारों गेम जीते, जिसमें नॉर्वे और डेनमार्क के खिलाफ मैच भी शामिल हैं।

वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनलिस्ट स्विट्जरलैंड ने भी चार जीत हासिल कीं -

तीन में 3-0 का स्कोर रहा। मूरत याकिन की टीम के लिए जेकी अमदौनी और डैन नडोये ने शानदार प्रदर्शन किया। स्विस् टीम ने जर्मनी और क्रोएशिया को पीछे छोड़ दिया, जो 13वें और 14वें स्थान पर आ गए।

ऑस्ट्रेलिया (2 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर), कनाडा (3 स्थान ऊपर 27वें स्थान पर), कोटे डी आइवर (2 स्थान ऊपर 29वें स्थान पर) और स्वीडन (3 स्थान ऊपर 34वें स्थान पर) ने रैंक में ऊपर चढ़े। ग्रीस भी 5 स्थान ऊपर चढ़ते हुए 41वें स्थान पर पहुंच गया है। इवान जोवानोविक की टीम ने नेशंस लीग ए के अपने दो गेम जीते और दो ड्रॉ खेले, जर्मनी को 1-0 से हराया और नीदरलैंड्स को घर पर रोका।

माली और साउथ अफ्रीका छह-छह पायदान ऊपर चढ़कर 47वें और 48वें स्थान पर आ गए। डोर्गैलेस ने और टीनएज में शानदार प्रदर्शन करने वाली एंज मार्शल टिया से प्रेरित होकर, एंथनी डा सिल्वा की ईगल्स ने काबो वर्डे और लाइबेरिया को हराया, और मोरक्को में ड्रॉ खेला। बाफाना बाफाना ने गिनी और इरिट्रिया को हराया, और इससे पहले गोलकीपर सिफो चेन ने मिस्र में 1-0 की जीत में शानदार प्रदर्शन किया। अफ्रीका के अब टॉप 50 में 10 देश हैं।



आर्कटिक ओपन: प्रणय और श्रीकांत बाहर, गरामा-रॉय ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराया



विश्व केसरी ■ **नई दिल्ली।** आर्कटिक ओपन में गुरुवार को भारत के कृष्णा प्रसाद गरामा/पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय की जोड़ी ने चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी हे जी टिंग/रेन जियांग यू को 10-21, 21-18, 22-20 से मात देकर मेंस डबल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, अनुभवी सिंगल्स खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को टूर्नामेंट से जल्द बाहर होना पड़ा।

बिना वरीयता वाली भारतीय जोड़ी ने पहला गेम हारने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 61 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम किया। मई में लगातार हफ्तों में सेंट-डेनिस रीयूनियन ओपन और मैक्सिकन इंटरनेशनल चैलेंज जीतने वाले गरामा और रॉय का अगला मुकाबला क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड के ओलिवर बटलर और सैमुअल जोन्स से होगा।

दूसरी तरफ, वर्ल्ड नंबर 31 खिलाड़ी श्रीकांत ने कनाडा के ब्रायन यांग के खिलाफ पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी। हालांकि, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और आखिरकार 21-15, 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इस नतीजे के साथ श्रीकांत के लिए मुश्किल सीजन और लंबा हो गया है। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में यूएस ओपन सुपर 300 में उपविजेता (रनर-अप) रहना रहा है। इस साल सर्किट पर उन्हें आठ बार पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है।

चौथी वरीयता प्राप्त एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ प्रणय की चुनौती और भी जल्दी खत्म हो गई। पिछले महीने वियतनाम ओपन सुपर 100 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 34 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी डेनिश खिलाड़ी के सामने टिक नहीं पाए और 21-10, 21-9 से हार गए। मेंस सिंगल्स ड्रॉ में अब भारत की उम्मीदें थारुन मन्नेल्लूरी पर टिकी हैं, जिन्होंने क्वालीफाईंग राउंड से आगे बढ़कर अपना सफर जारी रखा है।

मंगलवार को मेन ड्रॉ में जगह बनाने वाले मन्नेल्लूरी ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन को 21-16, 21-14 से हराया और अब दूसरे राउंड में उनका मुकाबला फ्रांस के दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से होगा।

वहीं, चीन के वेंग होंग यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रीनक चौहान का सफर खत्म हो गया। पहला गेम हारने के बाद चौहान ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन निर्णायक गेम में वेंग ने संयम बनाए रखा और 22-20, 20-22, 21-17 से जीत हासिल की।

विमेंस सिंगल्स में भारत का अभियान गुरुवार को फिर शुरू होगा।

शंघाई मास्टर्स की चुनौती के लिए तैयार हैं कार्लोस अल्काराज



विश्व केसरी ■ **शंघाई।** स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने शंघाई मास्टर्स की चुनौती के लिए खुद को मानसिक तौर पर तैयार बताया है। अल्काराज ने हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीता है।

अल्काराज ने टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं मानसिक तौर पर फ्रेश महसूस कर रहा हूँ, जो मेरे लिए सबसे जरूरी बात है। मैं इस टूर्नामेंट का चैलेंज लेने के लिए तैयार हूँ। अगर हम कुछ साल पहले देखें, शायद यह किंवदंती या सीजन का यह हिस्सा, तो यह कभी भी मेरा सबसे अच्छा नहीं रहा। अभी, मैं बस इस टूर्नामेंट के लिए अच्छी हालत में रहना चाहता हूँ, क्योंकि मैं टूर्नामेंट जीतना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि यह बाकी सीजन के लिए मेरे लिए एक एक्स्ट्रा बूस्ट होगा।'

अल्काराज यूएस ओपन 2026 में एक्शन में लौटे, जहां उन्होंने क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर अपना फॉर्म दिखाया, लेकिन टाइटल बचाने में नाकाम रहे, क्योंकि वह अमेरिकी बेन शेल्टन से हार गए। इसके बाद वह टोक्यो में एक्शन में थे, जहां उन्होंने साल का अपना तीसरा टूर-लेवल टाइटल जीता। इससे पहले उन्होंने दोहा में ऑस्ट्रेलियन ओपन और कतर ओपन जीते थे।

अल्काराज ने अगस्त में एक सप्ताह के लिए होल्सर रून के साथ ट्रेनिंग की और डेन को हिम्मत दी, जो खुद पिछले साल अक्टूबर में एल्लिस इंजरी के कारण 11 महीने तक टेनिस से दूर रहे थे।

कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप शौर्य भट्टाचार्य ने दो-शॉट की बढ़त बनाई



विश्व केसरी ■ **ग्रेटर नोएडा।** कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के पहले राउंड में बुधवार को शौर्य भट्टाचार्य ने 'सिक्स-अंडर-66' के स्कोर के साथ दो-शॉट की बढ़त हासिल की। ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी प्रतियोगिता में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई में तीन बार के विजेता, 23 वर्षीय भट्टाचार्य ने सात बर्डी लगाई और दिन का अपना एकमात्र शॉट 'पार-फोर' आठवें होल पर गांवाया।

भट्टाचार्य ने 'रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' में 14वीं रैंकिंग के साथ इस हफ्ते की शुरुआत की थी। वह इस सीजन में एक और खिताब जीतने के करीब पहुंचे हैं; उन्होंने फरवरी में 'प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026' और अगस्त में 'कोलार ओपन 2026' में संयुक्त रूप से रनर-अप (दूसरे स्थान) का स्थान हासिल किया था।

चंडीगढ़ के शुभंकर शर्मा, जो दो बार पीजीटीआई टूर विजेता रह चुके हैं, 'फोर-अंडर 68' के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उनके

बेंगलुरु के मनोज एस ने 'टू-अंडर 70' का समान स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। जमाल ने एक बोगी के मुकाबले तीन बर्डी लगाईं, जबकि श्योराण ने छह बर्डी और चार बोगी का मिला-जुला खेल दिखाया। मनोज ने पांच बर्डी और तीन बोगी दर्ज कीं।

इस टूर्नामेंट में एक खास प्रो-एम फॉर्मेट है, जिसमें सभी चार राउंड में एमेच्योर खिलाड़ी प्रोफेशनल खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं। लंबे समय तक चले खेल के कारण कुछ खिलाड़ियों को फुलडलाइट की रोशनी में भी खेलना पड़ा।

'रेस टू इंडिया चैंपियनशिप' में अभी सबसे आगे चल रहे सप्तक तलवार ने टीन-ओवर 75 के स्कोर के साथ शुरुआत की और संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर रहे। बुधवार को प्रो-एम इवेंट प्रोफेशनल शौर्य भट्टाचार्य और एमेच्योर डॉ. हमीदी की टीम ने जीता। उनका स्कोर 44 स्टेबलफोर्ड प्वाइंट्स था और उन्होंने काउंटबैक के आधार पर जीत हासिल की।

श्रेयस अय्यर को इस शतक की जरूरत थी और यह सही समय पर आया है: पुजारा



विश्व केसरी ■ **नई दिल्ली।** भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 विकेट से मिली जीत में शानदार पहला टी20 इंटरनेशनल शतक लगाने के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह पारी उनके लिए बिल्कुल सही समय पर आई है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में जब अय्यर बल्लेबाजी करने आए तो भारत 35/2 के स्कोर पर मुश्किल में था। उन्होंने 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए। इस पारी ने मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत को आठ विकेट और 32 गेंदें बाकी रहते हुए जीत दिलाने और

मोनांक पटेल की कप्तानी पारी, यूएसए ने नामीबिया को 4 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■ **टेक्सास।** आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग टू 2023-2027 के दौरान ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम, टेक्सास में हुए एक रोमांचक मुकाबले में यूएसए ने नामीबिया पर 4 विकेट से जीत दर्ज की। यूएसए की जीत में कप्तान मोनांक पटेल की शतकीय पारी की भूमिका रही।

नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन के बेहतरीन शतक और कप्तान गेरहार्ड इरास्मस के विस्फोटक अर्धशतक और इन दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए हुए 102 रन की साझेदारी की बदौलत नामीबिया ने 9 विकेट पर 298 रन बनाए।

माइकल वैन लिंगेन ने 121 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। कप्तान इरास्मस ने 45 गेंदों पर 3 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 76 रन बनाए।



इसके अलावा, लौरेंन स्टीनकैप ने 30 और विकेटकीपर जेन ग्रीन ने 22 रन बनाए। यूएसए के लिए एहसान आदिल

ने 4, शेहान जयसूर्या ने 3 विकेट लिए। सौरभ नेत्रवलकर और मिलिंद कुमार को 1-1 विकेट मिला।

299 रन का लक्ष्य यूएसए के लिए आसान नहीं था, लेकिन पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान मोनांक पटेल ने बेहतरीन शतक

लगाते हुए इसे संभव कर दिखाया। मोनांक ने 100 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली। मोनांक को विकेटकीपर बल्लेबाज स्मित पटेल और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शेहान जयसूर्या का अच्छा सहयोग मिला।

मोनांक ने पहले विकेट के लिए स्मित पटेल (50) के साथ 96 रन की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने शेहान जयसूर्या (74) के साथ दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की।

नामीबिया के लिए जेजे स्मित और जान निकोल लोफ्टी-ईटन ने 2-2 विकेट लिए। रूबेन ट्रम्पेलमैन और बर्नार्ड शोल्ट्ज को 1-1 विकेट मिला।

इंटरनेशनल ब्रेक के बाद ला लीगा की आज से होगी शुरुआत

विश्व केसरी ■ **मैड्रिड।** लंबे इंटरनेशनल ब्रेक के बाद स्पेन की मशहूर फुटबॉल लीग ला लीगा लीग शुरुवार से फिर शुरू हो रही है। हालांकि, कई क्लब अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि वे पिछले लगभग तीन हफ्तों से अपनी राष्ट्रीय टीमां के लिए खेल रहे थे। लगातार मैच खेलने की वजह से खिलाड़ियों के चोटिल होने और थकान का खतरा बढ़ गया है।

ला लीगा के इस राउंड की शुरुआत मालागा और एस्पेनयोल के मुकाबले से होगी। टॉप डिवीजन में वापसी करने वाली मालागा टीम अभी अपनी पहली जीत की तलाश में है। वहीं, एस्पेनयोल के लिए अच्छी खबर यह है कि घुटने की गंभीर चोट से उबरने के बाद फॉरवर्ड जावी पुआडो बेंच से वापसी कर सकते हैं।

दूसरी ओर, बार्सिलोना को गेटाफे के खिलाफ घरेलू मैच से पहले कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर चिंता सता रही है। ब्राजील की टीम से जुड़े राफिन्हा



और स्पेन के खिलाड़ी एरिक गार्सिया इंटरनेशनल ड्यूटी के दौरान फिटनेस समस्याओं के कारण समय से पहले वापस लौटे थे। ऐसे में बार्सिलोना उनके मैच में खेलने को लेकर अंतिम फैसला मैच से पहले ही करेगा।

गोलकीपर जोन गार्सिया घुटने की चोट से उबरकर वापसी के करीब हैं, जिसके कारण उन्हें स्पेन की टीम से बाहर होना पड़ा था।

वहीं, कोच हॉसी पिलक को यह तय करना होगा कि क्या लैमिन यमल को शुरुआती लाइन-अप में रखा जाए, क्योंकि इस विंगर ने ब्रेक के दौरान स्पेन के सभी चार मैचों में हिस्सा लिया था।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, रियल मैड्रिड को विल्लारियल के खिलाफ अपने घरेलू मैच में किलियन एम्बाप्पे के बिना खेलना पड़ सकता है।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर भेदभाव के आरोप बेबुनियाद, भारत का फ्रेमवर्क निष्पक्ष: संचार मंत्रालय



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। संचार मंत्रालय ने स्थिति स्पष्ट की है। संचार मंत्रालय ने कहा है कि उसने सभी टेलीकॉम सेवाओं के लिए, जिसमें सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं भी शामिल हैं, एक निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क बनाया है। इसी फ्रेमवर्क के तहत, भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाएं शुरू करने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, सरकार ने तीन ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीएस) सर्विसेज को टेलीकॉम लाइसेंस दिए हैं। ये लाइसेंस नॉन-जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट ऑर्बिट ब्रेड सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर आधारित हैं। लाइसेंस की शर्तों के अनुसार, हर लाइसेंस धारक को सुरक्षा शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दी जाने वाली सेवाएं सभी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करें, ताकि सभी यूजर्स और उनके डेटा की सुरक्षा बनी रहे।

संचार मंत्रालय ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत सुरक्षा मूल्यांकन फिलहाल तीनों लाइसेंस धारकों के लिए चल रहा है। जैसे ही किसी लाइसेंस प्राप्त कंपनी के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, वह स्पेक्ट्रम के आवंटन के अगले चरण की ओर बढ़ सकती है।

फिलहाल तीनों कंपनियां मोटे तौर पर एक ही रेगुलेटरी स्टेज पर हैं। ऐसे में यह कहना कि फ्रेमवर्क या उसका लागू किया जाना अनुचित या भेदभावपूर्ण है, पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत धारणा पर आधारित है।

बता दें कि मिनिस्ट्री का यह बयान स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के एक पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनी स्टारलिक के भारत प्लान को 'कुछ अमीर लोग' रोक रहे हैं।

स्टारलिक अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स द्वारा चलाई जाने वाली एक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है। इसके मालिक एलन मस्क हैं। परंपरागत सैटेलाइट इंटरनेट बहुत ऊंचाई पर होते हैं, लेकिन स्टारलिक के हजारों छोटे सैटेलाइट पृथ्वी से काफी कम ऊंचाई (करीब 500-550 किमी) पर चक्कर लगाते हैं। कम ऊंचाई पर होने के कारण डेटा तेजी से ट्रांसफर होता है और इंटरनेट की स्पीड अच्छी मिलती है।

व्यापारी संगठनों ने नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क को त्योहारी सीजन तक टालने की अपील की



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। व्यापारी संगठनों ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए यूपीआई एमडीआर (मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट) फ्रेमवर्क को त्योहारी सीजन तक टालने की अपील की है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। सूत्रों के हवाले से एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में बताया गया कि व्यापारी संगठनों ने त्योहारी सीजन और अगले साल की शुरुआत तक प्रस्तावित यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क को टालने की

अपील की है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो त्योहारी सीजन में उनकी बिक्री पर असर हो सकता है।

नए एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतानों के लिए चुनिंदा व्यापारी श्रेणियों पर 5 रुपए का एक समान शुल्क लागू होगा, जबकि 2,000 रुपए से अधिक के बड़े पर्सन टू मर्चेन्ट (पी2एम) भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत का शुल्क लगेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए होगी।

एनपीसीआई का अनुमान है कि इन बदलावों का असर मर्चेन्ट ट्रांजैक्शन के सिर्फ 4 प्रतिशत हिस्से पर ही पड़ेगा, और 95 प्रतिशत से ज्यादा पर्सन-टू-मर्चेन्ट यूपीआई पेमेंट एमडीआर फ्रेमवर्क के दायरे से बाहर रहेंगे। पीयर-टू-पीयर (पी2पी) मर्चेन्ट मॉडल का इस्तेमाल करने वाले छोटे मर्चेन्ट को ज़ीरो एमडीआर की सुविधा मिलती रहेगी।

आम यूजर्स के लिए मुफ्त यूपीआई इस्तेमाल पर कोई मासिक कोटा या लिमिट तय नहीं की गई है, और वे तय मुफ्त फ्रेमवर्क के तहत ट्रांजैक्शन पर बिना किसी एमडीआर चार्ज के यूपीआई पेमेंट करना जारी रख सकते हैं।

नए फ्रेमवर्क में छोटे व्यापारियों के बीच यूपीआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक खास फंड भी बनाया गया है, जिसके लिए कुल एमडीआर कलेक्शन का 5 प्रतिशत हिस्सा तय किया गया है। एमडीआर से होने वाली कमाई को अलग-अलग कंपनियों के बीच बांटा जाएगा और इसका मकसद यूपीआई भुगतानों के विस्तार, साइबर सिक्योरिटी और इनोवेशन को बढ़ावा देना है।

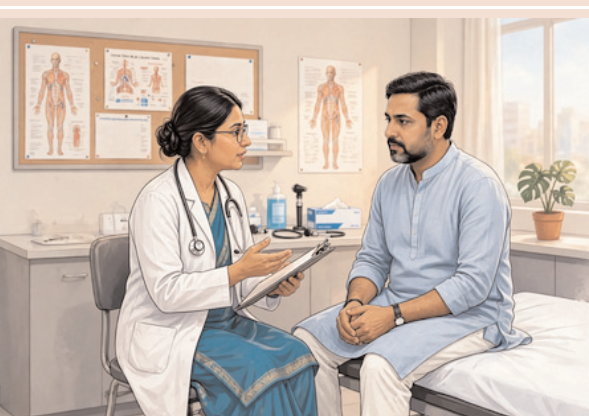
साथ ही, एनपीसीआई ने बैंकों को यह वकफ करने के लिए कहा है कि व्यापारी एमडीआर चार्ज का बोझ ग्राहकों पर न डालें।

सिर्फ महिलाओं को नहीं, पुरुषों को भी हो सकता है ब्रेस्ट कैंसर : डब्ल्यूएचओ

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर का नाम सुनते ही आमतौर पर हमारे मन में महिलाओं की तस्वीर आती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पुरुष भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, ब्रेस्ट कैंसर के करीब 99 प्रतिशत मामले महिलाओं में पाए जाते हैं, जबकि लगभग 0.5 से 1 प्रतिशत मामले पुरुषों में होते हैं। संख्या भले ही कम हो, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि पुरुषों में इस बीमारी का खतरा नजरअंदाज कर दिया जाए।

हर साल अक्टूबर को 'ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है। इसका मकसद



लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक करना, समय पर पहचान और इलाज के महत्व को समझाना और इससे प्रभावित लोगों को समर्थन देना है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले काफी कम

नहीं करना चाहिए।

सबसे जरूरी बात यह है कि पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का इलाज भी बीमारी की स्थिति और उसके प्रकार के आधार पर किया जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का उपचार महिलाओं में अपनाए जाने वाले इलाज के सिद्धांतों के अनुरूप ही होता है। इसी कारण पुरुषों के लिए भी समय पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है। ब्रेस्ट कैंसर के खिलाफ लड़ाई में शुरुआती पहचान को सबसे अहम माना जाता है। अगर बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ में आ जाए तो समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। यही वजह है कि लोगों को शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है।

हर रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन, पैरों और पेट की मांसपेशियों को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग पद्धति में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ लचीलापन और संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' भी ऐसा ही एक योगासन है, जो शरीर के निचले हिस्से को मजबूत करने और पार्श्व अंगों में खिंचाव लाने के लिए किया जाता है।

'उत्थित पार्श्वकोणासन' को 'एक्सटेंडेड साइड एंगल पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में एक हाथ जमीन पर और दूसरा हाथ सिर के ऊपर तिरछा उठाकर शरीर को एक सीधी रेखा में खींचा जाता है। इसके अभ्यास से पैरों, जांघों, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को

मजबूत रहती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है।



मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित 'पार्श्व कोण मुद्रा' है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की

मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहाँ, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन, ध्यान और सहनशक्ति भी बढ़ती है।

इसे करना बेहद आसान है।

इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन, ध्यान और सहनशक्ति भी बढ़ती है।

बच्चों में तेजी से बढ़ रहा मोटापा, डब्ल्यूएचओ ने जारी की पहली ग्लोबल गाइडलाइन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में मोटापा सिर्फ बड़ों की समस्या नहीं रह गया है। बच्चों और किशोरों में भी बढ़ता वजन चिंता का विषय बनता जा रहा है। बदलती जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों की कमी और खानपान की आदतों में बदलाव के बीच बचपन में मोटापे के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसी बढ़ती समस्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों और किशोरों में मोटापे की देखभाल और इलाज को लेकर पहली वैश्विक गाइडलाइन जारी की है।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक साल 2024 में दुनियाभर में 5 से 19 साल की उम्र के करीब 17 करोड़ बच्चे और किशोर मोटापे के साथ जी रहे थे। इनमें 5 से 9 साल की उम्र के करीब 7 करोड़ बच्चे और 10 से 19 साल के करीब 10 करोड़ किशोर शामिल थे। चिंता की बात यह है



कि इस आयु वर्ग में मोटापे की दर 1990 के बाद से चार गुना बढ़ गई है। उस समय यह दर करीब 2 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 8 फीसदी हो गई।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो लंबे समय तक बनी रह सकती है और दोबारा भी हो सकती है। इसका असर सिर्फ बच्चे के

वजन तक सीमित नहीं रहता। बचपन में मोटापा आगे चलकर टाइप-2 डायबिटीज और हृदय संबंधी बीमारियों समेत कई गैर-संचारी रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। इसके अलावा मोटापे से जुड़ रहे बच्चों को स्कूल या समाज में मजाक, भेदभाव और बुलिंग का सामना भी करना पड़ सकता है, जिसका असर उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

नई गाइडलाइन में डब्ल्यूएचओ ने बच्चों और किशोरों के इलाज में केवल वजन कम करने पर ध्यान देने के बजाय उनकी पूरी सेहत और जीवनशैली को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। संगठन ने मोटापे से जुड़ रहे बच्चों और किशोरों के लिए व्यवस्थित डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव से जुड़े उपायों की सलाह दी है। डब्ल्यूएचओ ने यह भी स्पष्ट किया है

कि छोटे बच्चों के मामले में दवाओं या सर्जरी को सामान्य इलाज के तौर पर नहीं अपनाना चाहिए। 0 से 9 साल के बच्चों के लिए मोटापे के इलाज में दवाओं, बैरियाट्रिक सर्जरी और वजन घटाने वाले उपकरणों की सिफारिश नहीं की गई है। 10 से 19 साल के किशोरों में भी दवाओं पर तभी विचार किया जा सकता है, जब विशेषज्ञों की निगरानी में चलाया गया लाइफस्टाइल कार्यक्रम अपेक्षित परिणाम न दे।

गाइडलाइन में मानसिक स्वास्थ्य को भी नजरअंदाज न करने की बात कही गई है। चिंता, अवसाद, कम आत्मसम्मान और भावनात्मक परेशानियां बच्चों की खान-पान और शारीरिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए मोटापे के साथ-साथ बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भी समय रहते ध्यान देना जरूरी है।

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी खेपेर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनैस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR फाइल बनवाएं मात्र 500/- 25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट • फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: **शेखर गुप्ता** RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara, Raipur.

83700 09993

H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997



श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी

समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine Diabetic & Geriatric Care)

उपलब्ध सेवाएँ:

- हायड्रेशन (मधुमेह) उपचार
- हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप)
- शायरिडन विकार
- हार्ड डिजिट (हृदय संबंधी समस्याएँ)
- शिविर व चिकित्सीय रोग
- पेकड़ों की समस्याएँ (अस्थमा, COPD)
- बुखार व संक्रमण (सायरस, टायफाइड)
- पेट की समस्याएँ (रोग, अपच, एसिडिटी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूरोलॉजिकल समस्या (रिज चर्ब, तंत्र आदि)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS. General Surgery)

उपलब्ध सेवाएँ:

- पायलस (कमरों) का अपरेशन
- फिस्स और फिस्टुला का उपचार
- हृदय सर्जरी (हृदयनल / कोमोलेन / हाइड्रोथोरैक्स)
- एपेंडिसाइटिस (अपेंडिसाइटिस) सर्जरी
- सायरीडन सर्जरी
- गैंगलीन सर्जरी (गैंगली की चर्च)
- बेस्ट लिवर / ट्यूमर सर्जरी
- पेट की समस्याएँ / फिस्स / डिवाइस फिक्शन
- हाइड्रोथोरैक्स / रिफोर्मीस सर्जरी
- लिवर एवं अपेंडिसाइटिस की शल्यक्रिया व पायलस का रिमूआल

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

उपलब्ध सेवाएँ:

- कैंसर के रोगी
- ट्रायोटिक के रोगी
- हार्मोनोथेरेपी
- विशेषज्ञ की राय
- कैंसर की काउंसलिंग
- कैंसर व साइड इफेक्ट प्रबंधन
- पैचज व न्यूमोनिकल साइड इफेक्ट
- कैंसर की जांच व निदान

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवित बचाना है।

शिविर विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine Diabetic & Geriatric Care)

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS. General Surgery)

हमारी सुविधाएँ:

- 24 घंटे अग्रिम शिविर
- अग्रिम शिविर 20 दिनों तक का अवकाश
- अग्रिम शिविर
- 24x7 एम्बुलेंस सेवा सुविधा
- 24x7 एम्बुलेंस सेवा सुविधा
- 24x7 एम्बुलेंस सेवा सुविधा

आपका स्वास्थ्य:

- अग्रिम शिविर
- अग्रिम शिविर
- अग्रिम शिविर
- अग्रिम शिविर
- अग्रिम शिविर
- अग्रिम शिविर

श्री साई केयर हॉस्पिटल

७ मि. नंबर ब.पान, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

एक स्वस्थ परिवार की ओर कदम बढ़ाएँ, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी गति है।

8771-4020089

96300-67422

जगदलपुर में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत का भव्य स्वागत

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। छग कांग्रेस कमेटी के प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत का जगदलपुर में जगह जगह भव्य स्वागत हुआ। भगत के स्वागत के लिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, सत्तार अली, अल्पसंख्यक अध्यक्ष रोजविन दास, व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मिलाती चौक पर सुखदेव भगत का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

वरिष्ठ कांग्रेसी उमाशंकर शुक्ला, नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी व प्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में कुहरापारा माड़िया चौक पर सुखदेव भगत का कांग्रेस पार्षद दल व कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आत्मीय एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। इस अवसर पर आदिवासी नाचा दल की प्रस्तुति के साथ आतिशबाजी कर छत्तीसगढ़ प्रभारी भगत का भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान पार्षद राकेश मौर्य, सुशीला बघेल, सूर्या पानी, अफरोज बेगम, लोकेश चौधरी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, पूर्व पार्षद पंचराज सिंह, मोहन बड़ाई, वरिष्ठ कांग्रेसी कौशल नागवंशी, एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भुवन झा, दुर्योधन कश्यप, रंगा राव, अपर्णा बाजपेयी, माही श्रीवास्तव, मनीता राउत, शेखर राउत, विश्वनाथ चौधरी, खारिन सुरजो, संतोष निषाद, गौरव खिवारी, बबलु, सविता पथर, सावित्री बतक, कुमारी सिंह, वंदना सेठिया, सविता खान, कुंतीला चालकी, सुमति सिंह, जयश्री बघेल, मोहन सूरजो, द्वा मोहन पथर सहित सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दोगुने पंजीयन से बनेगा बस्तर के खेल का नया रिकॉर्ड : संग्राम सिंह राणा

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर ओलंपिक 2026 को लेकर बस्तर जिला एथलेटिक्स संघ ने खिलाड़ियों को जोड़ने की मुहिम तेज कर दी है। संघ के अध्यक्ष संग्राम सिंह राणा ने जिले के सभी खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने तथा पूरे उत्साह के साथ बस्तर ओलंपिक में भाग लेने का आह्वान किया है। संग्राम सिंह राणा ने कहा कि पिछले वर्ष बस्तर जिले में 95 हजार 243 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया था। इस वर्ष लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना 1 लाख 90 हजार 486 पंजीयन कराने का है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि बस्तर के हर गांव और हर खिलाड़ी को खेल के बड़े मंच से जोड़ने का संकल्प है। राणा ने कहा कि बस्तर की पावन माटी में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि इन प्रतिभाओं को पंजीयन से लेकर खेल के मैदान तक पहुंचाया जाए। बस्तर ओलंपिक खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आगे बढ़ने और नई पहचान बनाने का अवसर प्रदान कर रहा है। जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष संग्राम सिंह राणा ने जिले के खिलाड़ियों से अपील की कि हर खिलाड़ी स्वयं पंजीयन कराए और कम से कम एक अन्य खिलाड़ी को भी बस्तर ओलंपिक से जोड़े। उन्होंने कहा कि जब बस्तर का हर खिलाड़ी मैदान में उतरेगा, तभी दोगुने पंजीयन का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। संग्राम सिंह राणा ने कहा, 'दूस बार हमारा लक्ष्य सिर्फ दोगुना पंजीयन करना नहीं, बल्कि बस्तर के हर खिलाड़ी की भागीदारी सुनिश्चित करना है।'

जिला बनाने की मांग को ऑटो संघ का मिला समर्थन, धरना स्थल से निकाली रैली

विश्व केसरी ■ अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ को जिला बनाने की लंबे समय से चली आ रही मांग को अब विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों का लगातार समर्थन मिल रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को अंतागढ़ ऑटो संघ के नेतृत्व में क्षेत्र के समस्त ऑटो मालिक जिला बनाने की मांग को लेकर धरना स्थल पहुंचे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। ऑटो मालिकों ने धरना स्थल पर पहुंचकर जिला निर्माण की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन में सहभागिता निभाई। इस दौरान ऑटो संघ के सदस्यों ने कहा कि अंतागढ़ को

क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से काफी विस्तृत है और ग्रामीण अंचलों के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में अंतागढ़ को जिला का दर्जा मिलने से क्षेत्रवासियों को प्रशासनिक सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध हो सकेंगी। इसके बाद ऑटो संघ के सदस्यों एवं अन्य आंदोलनकारियों ने धरना स्थल से रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। रैली नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची। रैली के दौरान आंदोलनकारियों ने अंतागढ़ को

जिला बनाने, क्षेत्र के विकास को गति देने और प्रशासनिक सुविधाओं का विस्तार करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। एसडीएम कार्यालय पहुंचने के बाद ऑटो संघ एवं आंदोलनकारियों ने अपर कलेक्टर को जिला निर्माण की मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ऑटो संघ के इस समर्थन से जिला निर्माण को लेकर चल रहे आंदोलन को और मजबूती मिली है। आंदोलनकारियों ने कहा कि अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग वर्षों पुरानी है और जब तक मांग पूरी होती, तब तक चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रहेगा।

आमाबेड़ा में जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

विश्व केसरी ■ आमाबेड़ा (डम्पी खान)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत विकासखंड अंतागढ़ के ग्राम आमाबेड़ा स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में 7 अक्टूबर को जिला स्तरीय सेवा सेतु विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी पहुंचे, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मरीजों को निःशुल्क जांच, उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में

मेडिसिन, अस्थि रोग, शिशु रोग, स्त्री रोग, नाक-कान-गला, दंत रोग, नेत्र रोग, मनोरोग तथा कैंसर रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे मरीजों को

एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से काफी राहत मिली। मेगा स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी, एक्स-रे, रक्त जांच, बीपी एवं शुगर की जांच जैसी

मेडिसिन, अस्थि रोग, शिशु रोग, स्त्री रोग, नाक-कान-गला, दंत रोग, नेत्र रोग, मनोरोग तथा कैंसर रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे मरीजों को

विभिन्न जांच सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने जांच के बाद मरीजों को आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयों का भी निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने, आयुष्मान कार्ड पंजीयन तथा ब्लड डोनेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

चारामा में गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई

विश्व केसरी ■ चारामा (संदीप मेथ्राम)। सेवा संकल्प अभियान के तहत चारामा नगर में आंगनबाड़ी विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार सतेन्द्र शुक्ला नायब तहसीलदार हेमलता सलाम की गरिमामयी उपस्थिति में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म विधिवत रूप से संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य

जांच एवं गर्भवस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सुनौता मंडावी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हर्षलता जैकब, रोहणी मटियारा, द्रुपत कुंजाम, रूक्मणी लांगे, नीतू कामदे, संगीता सोनकर, लच्छनी रोहली, रेखा देवांगन, ईश्वरी सोनकर, छाया देवांगन, कविता शौंसे, प्रमिला तारम एवं तर्नुम गांव से होते हुए एसडीएम विभाग के कर्मचारी एवं कार्यकर्ता

उपस्थित रहे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूक करना रहा।

पत्नी को सूखे कुएं में धकेला, पति गिरफ्तार

विश्व केसरी ■ चारामा (संदीप मेथ्राम)। ग्राम चारभाटा में पत्नी को जान से मारने की नीयत से सूखे कुएं में धकेलने के मामले में चारामा पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 6 अक्टूबर को दरगाहन निवासी नरेंद्र कोडोपी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बहन सुनीता को उसके पति राजेन्द्र कुंजाम ने गाली-गलौज और मारपीट करने के बाद जान से मारने की नीयत से घर के पास स्थित सूखे कुएं में धक्का दे दिया। घटना में महिला को गंधीर चोटे आई हैं और उसका अस्पताल में उपचार जारी है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 211/2026 के तहत

एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से काफी राहत मिली। मेगा स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी, एक्स-रे, रक्त जांच, बीपी एवं शुगर की जांच जैसी

धारा 296, 115(2) और 109 बीएनएस में मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेबा के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए

भैंसगांव जूनियर ने जीता अंतागढ़ विकासखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब

विश्व केसरी ■ अंतागढ़ (डम्पी खान)। महात्मा गांधी जयंती के पावन अवसर पर संजय क्लब अंतागढ़ के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय विकासखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक समापन हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में भैंसगांव जूनियर की टीम ने बोगन की टीम को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। बोगन की टीम प्रतियोगिता की उपविजेता रही। प्रतियोगिता में विकासखंड क्षेत्र की करीब 16 टीमों ने उत्साह और उर्जा के साथ हिस्सा लिया। छह दिनों तक चले इस आयोजन में खिलाड़ियों ने खेल भावना और शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में खेलप्रेमी दर्शक भी मैदान पर मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। फाइनल मुकाबला बोगन और भैंसगांव जूनियर के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच शुरुआत से ही कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। पहले हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे के गोल पोस्ट पर लगातार हमले किए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली। इसके चलते पहले हाफ का खेल 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। इसी दौरान भैंसगांव जूनियर की टीम ने शानदार तालमेल के साथ खेलते हुए एक गोल कर बढ़त बना ली। गोल होने के बाद बोगन की टीम ने भी आक्रामक रुख अपनाया और बराबरी

रकर लिया। वहीं बोगन की टीम को उपविजेता के खिताब से संतोष करना पड़ा।

विजेता और उपविजेता को मिला पुरस्कार - फाइनल मुकाबले के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीम को सम्मानित किया गया। विजेता भैंसगांव जूनियर टीम को 10 हजार रुपये नगद राशि की राधा देवी देवांगन एवं कप, जबकि उपविजेता बोगन की टीम को 5 हजार रुपये हरिशंकर नेताम, हेमंत कश्यप, भूपेश ठाकुर की ओर से नगद राशि एवं कप प्रदान किया गया। मुख्य अतिथियों के हाथों खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में खेलप्रेमी दर्शक भी मैदान पर मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। फाइनल मुकाबला बोगन और भैंसगांव जूनियर के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच शुरुआत से ही कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। पहले हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे के गोल पोस्ट पर लगातार हमले किए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली। इसके चलते पहले हाफ का खेल 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। इसी दौरान भैंसगांव जूनियर की टीम ने शानदार तालमेल के साथ खेलते हुए एक गोल कर बढ़त बना ली। गोल होने के बाद बोगन की टीम ने भी आक्रामक रुख अपनाया और बराबरी

दशकों तक खून से लथपथ रहे बस्तर में अमन और तरक्की की पुरसुकून बयार फलीभूत होने लगी है आदिवासी नेता केदार कश्यप की भूमिका

विशेष रपट **विश्व केसरी** ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। थम गए बारूदी धमाके और बंदूकों की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की, भतरी, गाँड़ी लोकगीतों के तराने। बाघ, तेंदुए निकल आए हैं अपनी माँदों से, गुंजने लगी है चिड़ियों की चहचहाहट। गाँड़, हल्बा, मुनिया और भतरा भतरी आदिवासी बेखौफ होकर कंद मूल, पान, पते तेंदू, महुआ, चार, सल्फी बटोरने लगे हैं जंगलों में। चारों तरफ अमन की बयार बह रही है। उबड़ खाबड़ पथरीली पगडंडियों की जगह पक्की सड़कों ने ले ली है। स्कूलों में फिर से बच्चों की धीमा मस्ती दिखाई देने लगी है। ये है छत्तीसगढ़ की तड़तड़हाट। खून से लथपथ होती आ रही धरती पर अब गुंजने लगे हैं हल्की,